www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंकः 89 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
20 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:13
सूर्यास्तः 07:03
अधिकतमः 39:00
न्यूनतमः 31:00

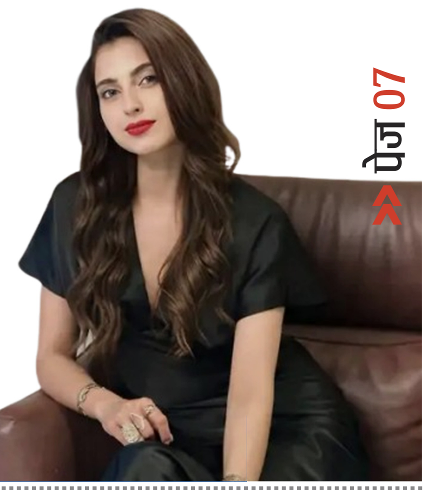

विशेष समाचार तेल, व्यापार और कूटनीति... >> पेज 04 | समाजवादियों की भूमिका ... >> पेज 06 | फरहाना भट्ट का कास्टिंग...

"नगर निगम, अयोध्या में आज 290 करोड़ से अधिक लागत की 245 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण/शिलान्यास एवं रामायण वैक्स म्यूजियम व जोनल कार्यालय भवन के लोकार्पण हेतु आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ।

पूर्ण विश्वास है कि आप सभी नगर निगम की विकास यात्रा में निरंतर सहयोग देंगे और आपके सहयोग से हम आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुरूप शहर को स्वच्छ, सुंदर और 'स्मार्ट सिटी' के रूप में विकसित करने में निश्चित ही सफल होंगे।- सीएम योगी"

योगी बोले- एसआईटी रिपोर्ट आने तक बयानबाजी न करें

सीएम ने कहा- ये लोग कभी नहीं चाहेंगे अयोध्या का नाम हो। अयोध्या सम्मान पाए। क्योंकि, ये क्षमताविहिन थे। अयोध्या को इन्होंने बिजली नहीं दी। संकरी गलियों में बांध दिया। आज अयोध्या के बारे दुष्प्रचार कर रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

'अपराधी कोई हो बचेगा नहीं'

चढ़ावा चोरी मामले के बीच योगी राम मंदिर पहुंचे अयोध्या में कहा- 500 साल इंतजार किया, 15 दिन और कर लीजिए

दौरा

- योगी की रामभक्तों से अपील- 15 दिन इंतजार कर लो, चिंता मत करो
- योगी बोले- एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच सीएम योगी शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद राम मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन किए। वहीं इस दौरान चंपत राय योगी के कार्यक्रम से दूर रहे। वो राम जन्मभूमि से 4 किमी दूर कारसेवकपुरम में थे।

इससे पहले, योगी ने कहा- विपक्ष के लोग राम का नारा लगाने पर गोली चलवाते थे। इनके दोगले चरित्र को तो देखिए। राम मंदिर बन न पाए, इसके लिए कांग्रेस ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया था। सुप्रीम कोर्ट में बेशर्मी के साथ कहा था कि राम तो हुए ही नहीं। वही कांग्रेस आज अयोध्या पर बहुत मचल रही।

>> (शेष पेज 06 पर)

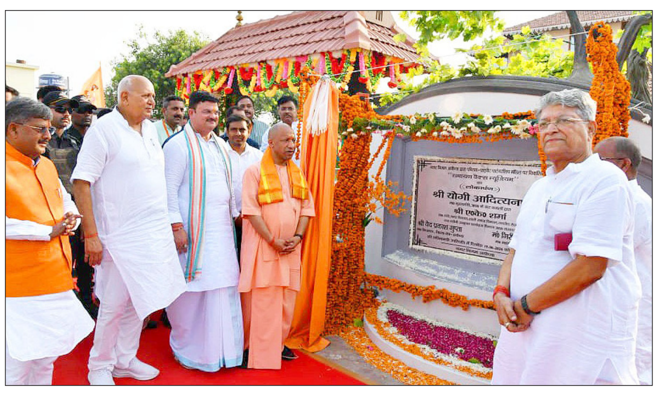

सपा प्रमुख और पूर्व मंत्री ने चोरी का मुद्दा उठाया था

सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने रविवार 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई। अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामला देखना चाहिए। चंपत राय ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है। विवाद बढ़ा तो भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने 9 जून को प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर CBI जांच की मांग की। अगले दिन यानी 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) ने मंदिर ट्रस्ट से मामले की रिपोर्ट मांग ली।

>> (शेष पेज 06 पर)

योगी ने कहा- अयोध्या अब चारों ओर फोरलेन से जुड़ी

सीएम योगी ने कहा कि आज की अयोध्या चारों ओर फोरलेन से जुड़ चुकी है। 2017 में जब हमें सरकार बनाने का मौका मिला। तो अयोध्या का विकास एक बड़ी चुनौती थी।

लेकिन आज अयोध्या का दीपोत्सव दुनिया देखती है। योगी 290 करोड़ से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण/शिलान्यास तथा रामायण वैक्स म्यूजियम एवं जोनल कार्यालय भवन के लोकार्पण हेतु आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे हैं।

सनातन सुरक्षित रहेगा तो जैन धर्म भी सुरक्षित रहेगा- योगी

सीएम योगी ने कहा कि अगर सनातन धर्म सुरक्षित रहेगा तो जैन धर्म भी सुरक्षित रहेगा। ये एक-दूसरे के पूरक हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि, संभव हो सके तो गौशालाओं को गोद लें। या कुछ गायों की जिम्मेदारी उठाएं। कम से कम एक गाय का खर्च जरूर उठाएं। सालभर उसका खर्च वहन करें और समय-समय पर गौशाला जाकर निरीक्षण भी करें। गो माता सुरक्षित रहेंगी तो भारत की संस्कृति सुरक्षित रहेगी।

योगी ने कहा- अगर किसी के पास कोई प्रूफ है तो उसे एसआईटी को दे दें। रामभक्तों से अपील है कि प्रभु श्रीराम ने मर्यादा का पाठ पढ़ाया है। 500 वर्षों तक राम मंदिर के लिए संघर्ष किया। 15 दिन और देख लो, इंतजार कर लो। अयोध्या को बदनाम करने वालों के बहकावे में न आएं। धाम को बदनाम न करें। अपराधी कोई भी होगा, वह बचेगा नहीं, यह तय है।

"योगी ने कहा अयोध्या धाम को बदनाम न करें। अगर कोई अपराधी है, वह कोई भी होगा, बचेगा नहीं, यह सुनिश्चित है। ये लोग हमें क्या बताएंगे। माफियाओं की कब्र पर फातिहा पढ़ते थे। ये लोग आज उपदेश दे रहे हैं। इन लोगों के बहकावे में न आएं।

योगी बोले- अयोध्या का राजा पूरी दुनिया का राजा होता था

सीएम योगी भगवान ऋषभदेव दिगंबर जैन तीर्थ में भगवान मुनिसुव्रतनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अयोध्या का राजा पूरी दुनिया का राजा होता था। पूरी धरती का राजा होता था। भगवान ऋषभदेव धरती के पहले राजा हैं और उन्हीं के पुत्र भगवान जड़भरत जिनके नाम पर हमारे देश का नाम भारत पड़ा है।

मानसून को एक साथ 5 सिस्टम रोक रहे

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। मानसून 15 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है, लेकिन 8 जून से तेलंगाना में अटका हुआ है। 11 दिन हो गए हैं, ये आगे नहीं बढ़ रहा है। इससे उत्तर-मध्य भारत के 7 राज्य बारिश के लिए तरस रहे हैं। इन राज्यों में 60% तक कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसकी वजह एक ही समय पर 5 अलग-अलग सिस्टम एक्टिव होना है। जैसे अरब सागर से तेज नमी वाली हवाएं नहीं आ रहीं और दक्षिण से बादल उत्तर की ओर नहीं बढ़ रहे हैं। 1 से 18 जून के बीच देश में सामान्य से 38% कम बारिश दर्ज की गई है। अब तक के आंकड़ों के अनुसार सबसे खराब स्थिति गुजरात की रही, जहां सामान्य से 79% कम बारिश हुई। इसके बाद महाराष्ट्र में 78% कम वर्षा की गई। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा और दिल्ली में प्री-मानसून बारिश हो रही है।

अमेरिका ईरान के बाद इजराइल हिजबुल्लाह में भी सीजफायर

ट्रम्प फिर बोले- ईरान को एक डॉलर भी नहीं देंगे

युद्धविराम

तमसा संकेत, एजेंसी

- ईरान-अमेरिका पीस डील लागू
- अमेरिका-ईरान प्रतिनिधि आज स्विट्जरलैंड में मिलेंगे

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान । अमेरिका और ईरान के पीस डील के बाद इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच युद्धविराम पर सहमति बन गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच सीजफायर शुक्रवार शाम 4 बजे स्थानीय समय (भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे) से लागू हो गया है।

एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिका और कतर के वार्ताकारों ने ईरान की मदद से यह समझौता कराया। गुरुवार को हुई गोलीबारी के बाद दोनों पक्ष लड़ाई रोकने पर राजी हुए। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को लेकर सख्त बयान दिया। उन्होंने कहा, "हम नहीं, ईरान मजबूरी में बातचीत की टेबल पर आया। वह खत्म हो चुका है।

>> (शेष पेज 06 पर)

'उम्मीद है हमें न्याय मिलेगा'

अभिषेक बनर्जी ने बागी सांसदों के खिलाफ स्पीकर को सौंपी 20 अयोग्यता याचिकाएं

याचिका

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की ओर से लोकसभा के बागी 20 सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग के बीच पार्टी से बगावत कर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया यानि एनसीपीआई में शामिल हुए इन सांसदों के विलय-अयोग्यता का फैसला मानसून सत्र से पहले होगा। लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर सभी बागी सांसदों को दल बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए 20 अलग-अलग याचिकाएं सौंपी।

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रतिनिधिमंडल बिरला से मिला

लोकसभा में तृणमूल संसदीय दल के नेता अभिषेक बनर्जी के साथ कल्याण बनर्जी, महुआ मोइत्रा और राज्यसभा में पार्टी के नेता डेरेक ओब्रायन के साथ पार्टी नेताओं का यह प्रतिनिधिमंडल बिरला से मिला। स्पीकर से मुलाकात के बाद अभिषेक बनर्जी ने पत्रकारों से कहा कि 20 लोगों ने स्पीकर से मुलाकात कर एक अलग समूह मानने की बात कही मगर बाद में पता चला कि वे एक अनजान एनसीपीआई में शामिल होने का दावा कर रहे।

अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की।

20 बागी टीएमसी सांसदों के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की।

बागियों को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने की चुनौती दी।

20 अलग-अलग याचिकाएं सौंपी

बागी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से स्पीकर पहले ही मिल चुके हैं। बागी सांसदों के एनसीपीआई में विलय के प्रस्ताव के खिलाफ 14 जून को तृणमूल कांग्रेस की ओर से दी गई चिठठी के सिलसिले में स्पीकर ने पार्टी नेताओं को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया था।

फास्ट न्यूज

राहुल 56 साल के हुए, कांग्रेस मुख्यालय में जन्मदिन मनाया

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज 56 साल के हो गए। वह प्रियंका गांधी के साथ दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका, कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में केक काटकर जन्मदिन मनाया।

फैसला | योजना

15000 करोड़ की लागत से बनेगा नया इमरजेंसी ऑयल रिजर्व

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान युद्ध के दौरान हुए तेल संकट के बाद केंद्र सरकार ने नया इमरजेंसी ऑयल रिजर्व बनाने का फैसला लिया है। यह रिजर्व ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन बनाएगी। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरे प्रोजेक्ट में करीब 15,000 करोड़ खर्च का अनुमान है। यह अंडरग्राउंड इमरजेंसी तेल भंडार कर्नाटक के मंगलुरु में बनाया जाएगा। अभी भारत की कुल स्ट्रेटेजिक क्रूड स्टोरेज क्षमता 53.3 लाख मीट्रिक टन यानी करीब 3.9 करोड़ बैरल है, जिसे आपात स्थिति जैसे युद्ध या तेल संकट में इस्तेमाल किया जाता है।

मोदी ने 15 लाख युवाओं को 2400 करोड़ दिए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (PM-VBRY) के तहत 15 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को 2400 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दी। यह राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए खातों में भेजी गई।

27 करोड़ शेयर से 37,700 करोड़ जुटाने की योजना तैयार

जियो का आईपीओ आएगा, यह देश में सबसे बड़ा

- 27 करोड़ नए शेयर जारी होंगे, आकाश, ईशा और अनंत संभालेंगे जिम्मेदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज की 49वीं सालाना बैठक, यानी AGM शुक्रवार, 19 जून को हुई। कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने करीब 44 लाख शेयरहोल्डर्स को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कंपनी यूरोप और अफ्रीका के मार्केट में एंट्री कर रही है। वहीं, कंपनी जियो का IPO भी लाने जा रही है। अंबानी बताया कि जियो प्लेटफॉर्म्स का IPO लाया जाएगा। इसके लिए 19 जून को सेबी के पास ड्राफ्ट दस्तावेज (DRHP) जमा कर दिए गए हैं।

>> (06 पर)

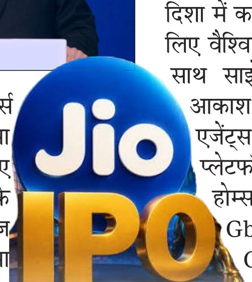

आकाश बोले- जियो के 52.4 करोड़ से ज्यादा ग्राहक

आकाश अंबानी ने कहा कि जियो भारत के लिए अपना सैटेलाइट इंटरनेट नेटवर्क विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है और इसके लिए वैश्विक सैटेलाइट कंपनियों के साथ साझेदारी की जा रही है। आकाश ने कहा कि कंपनी ने AI एजेंट्स के लिए 'जियो टेलीफ्रेम' प्लेटफॉर्म पेश किया है। जियो होम्स के जरिए घरों में 5 Gbps डाउनलोड और 1 Gbps अपलोड स्पीड वाली ब्रॉडबैंड सेवा देने की तैयारी है।

दार्जिलिंग में पुल बहा, शिमला में लैंडस्लाइड, मुंबई के नए एयरपोर्ट की छत से पानी गिरा

कोलकाता में प्लेन पर बिजली गिरी, 142 यात्री थे सवार

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/शिमला/मुंबई। मानसून पिछले 11 दिनों से तेलंगाना में अटका हुआ है। इस बीच देश के कई हिस्सों में तेज हवाओं और बारिश का दौर जारी है। महाराष्ट्र, बंगाल, बिहार के कई इलाकों में शुक्रवार को तेज बारिश हुई।

कोलकाता एयरपोर्ट पर शुक्रवार को अगरतला जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट पर बिजली गिर गई। फ्लाइट में सवार 147 पैसेंजर्स को दूसरी उड़ान से भेजा गया। हादसे में दो ग्राउंड स्टाफ को हल्की चोटें आईं, लेकिन दोनों सुरक्षित हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

बिहार में मेची नदी उफान पर, गांवों में पानी घुसा

बिहार के पटना में तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। नेपाल में भारी बारिश से किशनगंज में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। मेची नदी उफान पर है। इससे कई पंचायत के दर्जनों गांवों में बारिश का पानी घुस गया है।

मौसम विभाग ने प्रदेश के 18 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 60kmph की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। >> (शेष पेज 06 पर)

इधर, मानसून अभी मुंबई नहीं पहुंचा है। फिर भी यहां तेज बारिश हुई। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर छत से बारिश का पानी टपकने लगा। इस एयरपोर्ट का उद्घाटन 8 महीने पहले ही हुआ था।

बंगाल में तेज बारिश, रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी

कोलकाता और आसपास के कई इलाकों में शुक्रवार को बारिश हुई। मौसम विभाग ने उत्तर बंगाल के कई जिलों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। वहीं, उत्तरी बंगाल की पहाड़ियों में लगातार हो रही बारिश से महानदी के पास लैंडस्लाइड के कारण नेशनल हाईवे और सिलीगुड़ी-कुर्सियांग रोड बंद हो गए।

मांग : राम मंदिर चंदा विवाद पर सियासत गरमाई, जांच को लेकर सपा सांसद का तीखा रुख

'आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं'

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। राम मंदिर में चंदा संग्रह से जुड़ी कथित अनियमितताओं के मामले ने राजनीतिक हलकों में नई हलचल पैदा कर दी है। समाजवादी पार्टी के सांसद लालजी वर्मा ने इस पूरे प्रकरण पर कड़ा बयान देते हुए जांच की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सांसद ने कहा कि यदि चंदा संग्रह प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर अनियमितता या गड़बड़ी हुई है, तो उसमें शामिल सभी लोगों की पहचान सार्वजनिक होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि केवल औपचारिक जांच से काम नहीं चलेगा, बल्कि जिम्मेदार लोगों पर ठोस कार्रवाई जरूरी है। उनके अनुसार, यह मामला केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक भरोसे से जुड़ा हुआ विषय है, जिसमें पारदर्शिता सबसे अहम है। इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल में हलचल बढ़ गई है। >> (शेष पेज 06 पर)

लालजी वर्मा ने उठाई हाईकोर्ट जज की निगरानी में जांच की मांग

सांसद ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर श्रद्धा भाव से दिए जाने वाले चंदे में किसी भी तरह की गड़बड़ी सीधे तौर पर लोगों की आस्था से जुड़ा मामला है। ऐसे में इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।

'केवल एसआईटी जांच पर्याप्त नहीं'

लालजी वर्मा ने कहा कि इस मामले की जांच केवल एसआईटी तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने मांग की कि पूरे प्रकरण की जांच हाईकोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में कराई जाए, ताकि जांच प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी रह सके। उन्होंने कहा कि संवेदनशील मामलों में जब तक उच्च स्तरीय निगरानी नहीं होगी, तब तक जनता के मन में सवाल बने रहेंगे।

ट्रम्प बोले-मेलोनी मेरे साथ फोटो खिंचाने के लिए बेताब थीं

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक बयान पर नाराजगी जाहिर की है। ट्रम्प ने दावा किया था कि G7 शिखर सम्मेलन के दौरान मेलोनी उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए बेताब थीं। इस पर मेलोनी ने कहा कि ट्रम्प की यह कहानी पूरी तरह झूठी और मनगढ़ंत है।

ट्रम्प ने इतालवी टीवी चैनल La7 से बातचीत में कहा, "वह मेरे साथ फोटो चाहती थीं। मैं ऐसा नहीं करना चाहता था, लेकिन मुझे उन पर तरस आ गया।" इस पर मेलोनी ने कहा, मैं हैरान हूं। समझ नहीं आता कि अमेरिका के राष्ट्रपति अपने सहयोगियों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों करते हैं। एक बात उन्हें याद रखनी चाहिए- न मैं और न ही इटली कभी किसी के सामने गिड़गिड़ाते हैं।

'अयोध्या महापापियों के लिए बनेगी कुरुक्षेत्र'

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला

तंज

अरमान

तमसा संकेत, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अयोध्या महापापियों के लिए कुरुक्षेत्र साबित होगी। उन्होंने कहा कि जिस अयोध्या से भाजपा की राजनीति की शुरुआत हुई थी, वहीं उसका अंत भी होगा। शुक्रवार को जारी बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में कथित तौर पर सामने आई चढ़ावे, चंदे, दान और शिला चोरी की घटनाओं के बाद वहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पर नकारात्मक असर पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है, जिसका सीधा प्रभाव स्थानीय व्यापार, रोजगार और आम लोगों की आय पर पड़ा है।

- अयोध्या में बढ़ रहा आक्रोश : अखिलेश
- एसआईटी की जांच पर उठाए सवाल

>> (शेष पेज 06 पर)

बाबा विश्वनाथ को लंगड़ा आम का रस चढ़ाया, मानसून 5 दिन से बॉर्डर पर अटका

यूपी में भीषण गर्मी सड़क में अचानक दरारें आईं

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। यूपी में मानसून लेट हो गया है। बॉर्डर तक पहुंचने के बाद इसकी चाल धीमी पड़ गई है। पिछले 5 दिनों से यूपी-बिहार बॉर्डर पर महराजगंज जिले के पास अटका हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि इसके आगे बढ़कर यूपी में एंट्री करने में फिलहाल एक हफ्ते तक का समय लग सकता है।

आज 16 जिलों में बारिश का अलर्ट है। 25 जिलों में हीटवेव (लू) की चेतावनी जारी की गई है। शुक्रवार सुबह फर्रुखाबाद में करीब 1 घंटे तक

जोरदार बारिश हुई। कानपुर देहात में भी अचानक मौसम बदल गया। तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। इसके अलावा, प्रदेश के ज्यादातर जिलों में तेज धूप है। हवा की रफ्तार कम होने से उमस का एहसास हो रहा है। गोरखपुर में भीषण गर्मी की वजह से RCC सड़क में दरारें आ गईं। तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के घरों के लोग बाहर निकल आए। देखा तो सड़क क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। उससे धुआं निकल रहा था।

5 दिन भीषण गर्मी पड़ेगी, लू चलेगी

मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में मौसमी गतिविधियां फिलहाल छिटपुट स्तर तक सीमित हैं। कहीं-कहीं आंधी-तूफान और हल्की बूंदाबांदी के आसार जरूर हैं, लेकिन इससे तापमान में कोई खास राहत मिलने के आसार नहीं हैं। अगले पांच दिनों में पारा लगातार बढ़ता रहेगा। इस दौरान लू की स्थिति और गंभीर रहने की संभावना है।

वहीं, काशी में गर्मी से राहत दिलाने के लिए बाबा विश्वनाथ को लंगड़ा आम का रस चढ़ाया गया। गंगाजल से अभिषेक किया गया। आगरा में शुक्रवार सुबह तेज धूप के साथ दिन की शुरुआत हुई। फिलहाल शहर का तापमान करीब 33°C बना हुआ है।

बाबा विश्वनाथ को लंगड़ा आम का रस चढ़ाया, गंगाजल से अभिषेक किया

वाराणसी में एक बार फिर से भीषण गर्मी पड़ने लगी है। बाबा विश्वनाथ को मौसमी फल अर्पित किया जा रहा है। आज मंगला आरती में बाबा को लंगड़ा आम का रस चढ़ाया गया। इसके अलावा मां गंगा की जल से उनका अभिषेक किया गया।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-अभी उत्तर प्रदेश में ऐसा कोई मौसम सिस्टम सक्रिय नहीं है, जिससे बारिश हो। मानसून की रफ्तार भी धीमी है। फिलहाल, प्रदेश में मानसून के आने के हालात नहीं बन पाए हैं। यूपी में मानसून पहुंचने में अभी करीब एक हफ्ता और लग सकता है।

बाबा विश्वनाथ को लंगड़ा आम का रस चढ़ाया, गंगाजल से अभिषेक किया

वाराणसी में एक बार फिर से भीषण गर्मी पड़ने लगी है। बाबा विश्वनाथ को मौसमी फल अर्पित किया जा रहा है। आज मंगला आरती में बाबा को लंगड़ा आम का रस चढ़ाया गया। इसके अलावा मां गंगा की जल से उनका अभिषेक किया गया।

गोरखपुर में आरसीसी सड़क में आईं दरारें धमाके की आवाज सुन भागे लोग

गोरखपुर के पादरी बाजार स्थित ईस्टर्न कॉलोनी में भीषण गर्मी के चलते RCC सड़क अचानक तेज धमाके के साथ फट गई। आवाज सुनकर आसपास के लोग बाहर निकल आए। बताया जा रहा है कि अधिक तापमान के कारण सड़क में दरार आ गई।

बीती रात हल्के बादल छाए रहने के साथ तेज हवाएं चलीं, लेकिन गुरुवार को उमस भरी गर्मी ने लोगों को दिनभर परेशान किया।

काशी में 'भगवान परशुराम' के स्वरूप में राहुल गांधी

जन्मदिन पर कांग्रेसियों ने दुग्धाभिषेक किया

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का आज 56वां जन्मदिन है। वाराणसी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी की भगवान परशुराम के स्वरूप में पूजा की। मां गंगा की बीच धारा में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ दुग्धाभिषेक किया।

कार्यकर्ताओं ने 11 किलो लड्डू का केक बनाकर काटा। राहुल गांधी के दीर्घायु, स्वस्थ और सफल जीवन की कामना की।

युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विकास सिंह ने कहा कि राहुल गांधी सत्ता में बैठे अधर्मी, दुराचारी और लोकतंत्र के विरोधी, संविधान को न मानने वाले लोगों लोगों के खिलाफ खड़े रहते हैं। देश में लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। वह आम आदमी

की आवाज उठाते हैं। हमारे नेता संघर्ष के प्रतीक हैं। जिस तरह से जिस तरह से बाबा परशुराम ने इस धरती से राक्षसों, अधर्मियों और अत्याचारियों का विनाश किया था। उसी तरह हमारे नेता राहुल गांधी भी ऐसे लोगों का नाश करेंगे। जो लोग देश का संविधान नहीं मानते। लोकतंत्र के विरोधी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ता नाव से गंगा नदी के बीच में पहुंचे। उनके हाथ में एक वाटरप्रूफ कटआउट था।

फास्ट न्यूज

वाराणसी के भेलूपुर में टावर का पैनल धूं-धूं कर जला

वाराणसी। वाराणसी के भेलूपुर क्षेत्र में एसीपी कार्यालय के सामने स्थित एक मोबाइल टावर में शुक्रवार को अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की घटना उस समय हुई जब टावर पर मरम्मत का कार्य चल रहा था। हालांकि राहत की बात यह रही कि जिस समय आग लगी, उस समय टावर पर कार्य कर रहे कर्मचारी नीचे उतर चुके थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

जेल में बंद बीएसए पति को देख फूट-फूटकर रोई

गोरखपुर। गोरखपुर में टीचर कृष्णमोहन सिंह सुसाइड केस में सस्पेंडेड बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) शालिनी श्रीवास्तव जेल पहुंचने के बाद गुमशुम नजर आई। महिला बैरक में पहुंचने के बाद बुधवार को शालिनी काफी तनाव में दिखी। देर रात तक चुपचाप बैठी रही। किसी से बातचीत नहीं की।

3 दिन से वह महिला बैरक में गुमसुम ही दिख रही है। एकटक दीवारों को देखती रहती है। जब उसे खाना दिया जाता है तो कुछ देर वह दूर रहती है। फिर थोड़ी देर बाद खाना खाती है।

पार्क हॉस्पिटल के डॉक्टरों से करोड़ों की हेराफेरी

गोरखपुर। गोरखपुर में पार्क हॉस्पिटल के दो डॉक्टरों के साथ करोड़ो रुपए की हेराफेरी का मामला सामने आया है। आरोप है कि दवा कंपनी मेडरेव हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के संचालकों ने हॉस्पिटल के रिकॉर्ड और डेटा में हेराफेरी कर प्रॉफिट छुपाया और उनके हिस्से की रकम को हड़पने की कोशिश की।

लखनऊ के 43 मेधावी बने सीए राहुल चौरासिया टॉपर

श्रुति गोयल और अरशद खान का भी शानदार प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) द्वारा घोषित CA फाइनल मई 2026 परीक्षा परिणाम में लखनऊ के मेधावियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस बार शहर को 43 नए चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) मिले हैं। राहुल चौरासिया ने सबसे अधिक अंक हासिल कर लखनऊ टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया, जबकि श्रुति गोयल और अरशद खान दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। ICAI लखनऊ चैप्टर में शुक्रवार को सफल अभ्यर्थियों का सम्मान किया गया। चैप्टर के चेयरमैन सीए अश्वनी जायसवाल ने बताया कि लखनऊ केंद्र से 624 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें से 43 ने सीए फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण की। इनमें 21 अभ्यर्थियों ने एक साथ दोनों ग्रुप पास किए, जबकि 22 अभ्यर्थी पहले एक

ग्रुप क्वालीफाई कर चुके थे और दूसरे ग्रुप में सफलता हासिल कर अब सीए बने हैं। लखनऊ मेरिट सूची में राहुल चौरासिया पहले, श्रुति गोयल दूसरे, अरशद खान तीसरे, हर्ष अग्रवाल चौथे और यशर्व अग्रवाल पांचवें स्थान पर रहे। अयोध्या केंद्र से परीक्षा पास करने वाली उन्नति मित्तल ने 396 अंक प्राप्त किए। यदि उन्होंने लखनऊ केंद्र से परीक्षा दी होती तो वह यहां की टॉपर होतीं। ICAI लखनऊ चैप्टर के पूर्व चेयरमैन सीए अनुराग पांडेय ने बताया कि सीए परीक्षा हमेशा कठिन मानी जाती है, लेकिन इस बार का पेपर पिछले कई वर्षों की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण रहा।

विकास और जनकल्याण की उपलब्धियां गिनाईं, 100 से अधिक मीडिया संस्थानों ने लिया भाग

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर मीडिया कार्यशाला आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

वाराणसी। पत्र सूचना कार्यालय द्वारा वाराणसी में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 'केंद्र सरकार के 12 साल- विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' विषय पर 'वार्तालाप कार्यक्रम' (मीडिया कार्यशाला) का किया गया आयोजन, मीडिया कार्यशाला में100 से अधिक मीडिया संस्थानों ने लिया भाग। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में काशी सहित पूरे देश में अभूतपूर्व विकास एवं आधारभूत संरचना का विस्तार हुआ है, जिससे आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है: श्री रवीन्द्र जायसवाल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन, उत्तर

कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन श्री रवीन्द्र जायसवाल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वाराणसी के महापौर श्री अशोक तिवारी ने संबोधित किया।

प्रदेश पिछले 12 वर्षों में महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, सामाजिक उत्थान और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में हुए कार्यों ने विकसित भारत-2047 की मजबूत नींव रखी है: श्री अशोक तिवारी, महापौर, वाराणसी मीडिया कार्यशाला में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों एवं विकास यात्रा की भी जानकारी दी गयी। उपस्थित पत्रकारों ने भी सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों पर रखा अपना विचार। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जायसवाल ने कहा कि

वार्तालाप कार्यक्रम (मीडिया कार्यशाला) का आयोजन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जन कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पत्र सूचना कार्यालय, वाराणसी द्वारा आज वाराणसी में ''केंद्र सरकार के 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के'' विषय पर वार्तालाप कार्यक्रम (मीडिया कार्यशाला) का आयोजन किया गया। मीडिया कार्यशाला में 100 से अधिक मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों द्वारा भागीदारी की गयी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि श्री रवीन्द्र जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में काशी सहित पूरे देश में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं, जिनका प्रभाव आम नागरिकों के जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग का बजट 27 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है तथा पीएम-किसान योजना के तहत किसानों को 4.28 लाख करोड़ रुपये से अधिक की प्रत्यक्ष सहायता प्रदान की जा चुकी है।

किसानों के लिए जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जनपद के किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करने एवं इसके लाभों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से एक विशेष किसान संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़े अधिकारियों तथा प्रबंधन प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डिस्ट्रिक्ट कृषि अधिकारी राजित राम वर्मा ने की साथ में अन्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुराग सक्सेना ने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल खेती की लागत को कम करती है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण तथा किसानों की आय में वृद्धि करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती की विभिन्न तकनीकों, जैसे एफओएम , एलएफओएम ,पीआर-ओएम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती से उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर होती है तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं पौष्टिक खाद्य सामग्री प्राप्त होती है।

अज्ञात कारणों से लगी आग से हजारों का सामान जलकर राख

देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र स्थित चौधरी पुरवा गांव में शुक्रवार को अज्ञात कारणों से लगी आग ने एक परिवार की वर्षों की जमा पूंजी को पल भर में राख कर दिया। इस घटना में घर में रखी नगदी व घरेलू सामान सहित हजारों का सामान जलकर नष्ट हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चौधरीपुरवा निवासी रामफेर के घर में शुक्रवार को अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि परिवार के सदस्यों को घर के अंदर रखा सामान सुरक्षित बाहर निकालने का अवसर नहीं मिल सका। परिवार के लोग किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकले। उन्होंने शोर मचाकर ग्रामीणों

को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने बाल्टियों और अन्य संसाधनों की मदद से काफी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक घर में रखा करीब पांच हजार रुपये नगद, खाद्यान्न, कपड़े, बर्तन और अन्य घरेलू उपयोग का सामान जलकर राख हो चुका था। आग की चपेट में आने से परिवार के कीमती जेवरात भी पूरी तरह नष्ट हो गए।

घटना की सूचना संबंधित राजस्व एवं प्रशासनिक अधिकारियों को दे दी गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके पर पहुंचकर क्षति का आकलन कराने तथा पीड़ित परिवार को शीघ्र आर्थिक सहायता और राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है।

12 गांवों में तेंदुए की दहशत शाम होते ही घरों के दरवाजे हो जाते बंद

लाठी-टॉर्च लेकर पहरेदारी कर रहे ग्रामीण

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज के झूंसी क्षेत्र के 7 किलोमीटर के इलाके में तेंदुए का खौफ है। करीब 12 गांव में डर का माहौल है। सूरज ढलते ही लोग घरों में कैद हो जा रहे हैं। बच्चे खेलने के लिए घरों से बाहर नहीं निकल रहे। महिलाओं ने खेतों पर जाना छोड़ दिया है।

रात में पशुओं की रखवाली के लिए गांव के लोग समूह में हाथों में डंडा-टॉर्च लेकर पहरेदारी कर रहे हैं। 13 और 16 जून को तेंदुआ बस्ती में घूमते हुए देखा गया। सबसे पहले 13 जून को हवेलिया वार्ड में मादा तेंदुआ और उसके दो शावकों को देखा गया। जो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए।

इसके बाद 16 जून को शास्त्री ब्रिज के नीचे एसटीपी प्लांट के पास एक बार फिर तेंदुआ देखा गया। वहां काम करने वाले कर्मचारी ने तेंदुए का भागते हुए वीडियो बनाया।

पिछले 6 दिन से गांववाले दहशत में हैं। टीम मुख्यालय से 10 किमी. दूर उन गांवों में पहुंची। टीम ने हैंछतनाग, हवेलिया, नई झूंसी, पुरानी झूंसी, नैका महीन, उस्तापुर महमूदाबाद, गोलबाजार, संगम विहार, मुंशी का पुरा, बदरा, सोनौटी, ढोलबजवा पहुंची। गांवों का माहौल देखा।

गुरुवार शाम करीब 7 बजे टीम गांव सोनौटी पहुंची। सूरज डूबते ही गलियों में सन्नाटा हो गया। घरों के दरवाजे बंद हो गए। चलते हुए टीम बीच गांव पहुंची। यहां सड़क पर 8-10 लोग एक साथ खड़े थे।

बैठक : चढ़ावा चोरी मामले में विहिप बोला जांच का दायरा बढ़ाए एसआईटी

'हिसाब का जिम्मेदार ट्रस्ट'

तमसा संकेत, एजेंसी

हरिद्वार। हरिद्वार में विश्व हिंदू परिषद (VHP) के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की दो दिवसीय बैठक शुक्रवार को संपन्न हो गई। बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में विहिप ने अयोध्या राम मंदिर दान विवाद की जांच का दायरा बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि रामालय ट्रस्ट और राम जन्म मंदिर पुनर्निर्माण ट्रस्ट समेत राम मंदिर के नाम पर धन या सोना जुटाने वाली अन्य संस्थाओं के खातों की भी जांच होनी चाहिए। संगठन ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट भगवान राम के एक-एक पैसे के प्रति जवाबदेह है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे दंडित किया जाना चाहिए।

बैठक के बाद हुई पीसी में दंडी स्वामी स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने लिव-इन रिलेशनशिप, LGBTQ

दो दिनों तक चली बैठक के बाद जानकारी देते स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती और विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार।

और परिवार से जुड़े कानूनों पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या देश को 'वैश्याबाजार' में बदलने की तैयारी की जा रही है।

स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि मौजूदा व्यवस्थाओं के कारण हिंदू परिवार टूट रहे हैं। संत समाज ने केंद्र सरकार से परिवार और विवाह संस्था को प्रभावित करने वाले कानूनों की समीक्षा करने की मांग की है।

बैठक में परिवार संस्था और विवाह व्यवस्था को लेकर सबसे अधिक चर्चा हुई। संत समाज ने कहा कि व्यभिचार को अपराध की श्रेणी से बाहर करने, लिव-इन रिलेशनशिप को कानूनी मान्यता मिलने और समलैंगिक जोड़ों के अधिकारों से जुड़े मामलों के बाद परिवार व्यवस्था के सामने नई चुनौतियां खड़ी हुई हैं।

राम मंदिर मुद्दे के राजनीतिकरण से बचने की अपील

विहिप ने कहा कि राम मंदिर दान विवाद की जांच पूरी होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। संगठन का कहना है कि यह भी देखा जाना चाहिए कि किसकी भूमिका जानबूझकर की गई गड़बड़ी की है और किसकी केवल लापरवाही की। विहिप ने कहा कि रामजन्मभूमि मंदिर की व्यवस्थाओं को पूरी तरह दोषमुक्त और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। साथ ही संगठन ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल अयोध्या और राम मंदिर के मुद्दे को 2027 के विधानसभा चुनाव से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। विहिप ने सर्वदलीय समिति से जांच कराने की मांग को भी खारिज करते हुए कहा कि आपराधिक मामलों की जांच राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को नहीं सौंपी जा सकती।

तेज रफ्तार सीएनजी ऑटो की टक्कर से बाइक सवार घायल

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार सीएनजी ऑटो रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना खडाकापुर-महादेवा मार्ग पर टिहुरकी गांव के निकट हुई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सूरतगंज पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गणेशपुर गांव निवासी शैलेन्द्र कुमार पुत्र त्रिलोकी जो कैटर्स का कार्य करता हैं। शुक्रवार को वह एक कार्यक्रम में खाना बनाने के

लिए भैरमपुर जा रहे थे। इसी दौरान जब वह खडाकापुर-महादेवा मार्ग पर स्थित टिहुरकी गांव के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार सीएनजी ऑटो रिक्शा ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शैलेन्द्र कुमार सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनका एक पैर फैक्चर हो गया, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आई हैं। दुर्घटना के बाद

ऑटो चालक को लेकर भी क्षेत्र में चर्चा रही, जबकि आसपास के ग्रामीण तत्काल सहायता के लिए मौके पर पहुंच गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने मानवता का परिचय देते हुए घायल युवक को सड़क से उठाकर उपचार के लिए सीएचसी सूरतगंज पहुंचाया। वहां मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन चोटें गंभीर होने के कारण बेहतर इलाज हेतु उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

प्रभारी मंत्री ओम प्रकाश राजभर करेंगे शुभारंभ, किसान सम्मेलन और योग दिवस पर रहेगा विशेष फोकस

राजकीय हवाई पट्टी पर विकास प्रदर्शनी व जनकल्याण कार्यक्रम

आयोजन

- प्रभारी मंत्री करेंगे उद्घाटन
- सांस्कृतिक कार्यक्रम और मनोरंजन की व्यवस्था
- तैयारियों की समीक्षा
- जनभागीदारी की अपील

तीन दिवसीय आयोजन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर फूड कोर्ट, झूले और अन्य मनोरंजन सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद में 20 से 22 जून 2026 तक राजकीय हवाई पट्टी अकबरपुर में तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी एवं जनकल्याण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में विकास प्रदर्शनी, किसान सम्मेलन, महिला सम्मेलन, योग दिवस और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल होंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ 20 जून को पूर्वाह्न 11 बजे प्रभारी मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाएगा और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जनता को दी जाएगी। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी ने आयोजन के लिए विभागवार नोडल अधिकारी नामित किए हैं। सभी विभागों को समय से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर विकास प्रदर्शनी देखने, योजनाओं की जानकारी लेने और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने की अपील की है।

किसान सम्मेलन और विकास प्रदर्शनी

20 जून को किसान गोष्ठी और किसान सम्मेलन आयोजित होगा। इसमें किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत बीज, कृषि यंत्रीकरण और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

योग दिवस और महिला सम्मेलन

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सुबह 6 बजे सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित होगा। इसका राष्ट्रीय स्तर पर सजीव प्रसारण भी किया जाएगा। इसी दिन महिला सम्मेलन और सरस मेले का आयोजन होगा, जिसमें स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

नीट यूजी 2026 परीक्षा की तैयारियों की सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर जोर

जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ की बैठक

- 11 केंद्रों पर होंगे 5,088 अभ्यर्थी शामिल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। नीट (यूजी)-2026 परीक्षा के सफल, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की। इसमें परीक्षा से जुड़े नोडल अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, केंद्राध्यक्ष और ड्यूटी मजिस्ट्रेट मौजूद रहे।

बैठक में बताया गया कि जनपद में 21 जून को नीट (यूजी)-2026 परीक्षा आयोजित होगी। इसके लिए 11 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में कुल 5,088 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित की जाएगी। दिव्यांग अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय दिया जाएगा। अभ्यर्थियों का प्रवेश, पंजीकरण और बायोमेट्रिक सत्यापन सुबह 11 बजे से शुरू होगा। परीक्षा की शुचिता और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रत्येक केंद्र पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट और पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। इसके अलावा तीन जोनल मजिस्ट्रेट भी निगरानी करेंगे।

जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, बिजली, शौचालय, सीसीटीवी, चिकित्सा सहायता और यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से समय पर केंद्रों पर पहुंचकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा।

बैठक में संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और परीक्षा को पारदर्शी, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

फास्ट न्यूज

भूमाफियाओं और दलालों के खिलाफ कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

अम्बेडकरनगर। जनपद में भूमाफिया, जालसाज और दलालों के खिलाफ कलेक्ट्रेट स्थित अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर पीड़ितों ने प्रदर्शन किया। समाजसेवी सुरेंद्र वर्मा के नेतृत्व में कई पीड़ित मौके पर पहुंचे और अपनी समस्याएं रखीं। प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप है कि भूमि से जुड़े मामलों में उन्हें ठगी और धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया है। पीड़ितों ने प्रशासन से ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग की।

मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम में टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 पर जोर

अम्बेडकरनगर। महमाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य एवं आत्महत्या रोकथाम विषय पर साप्ताहिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के निर्देशों के तहत प्रधानाचार्य के तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम में मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने तनाव को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण बताया।

बैनामा लेखकों का धरना जारी

अम्बेडकरनगर। आलापुर तहसील परिसर में बैनामा (दस्तावेज) लेखकों का धरना जारी है। दस्तावेज लेखक अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं और ऑनलाइन दस्तावेज पंजीकरण व्यवस्था पर आपत्ति जता रहे हैं। धरने पर बैठे दस्तावेज लेखकों का कहना है कि ऑनलाइन दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण नियमावली के तहत पंजीकरण प्रक्रिया में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं।

निकला ऐतिहासिक दो मोहर्रम का जुलूस पूरी रात चला अकीदत का सिलसिला

तमसा संकेत, संवाददाता

- शाही इमामबाड़े से रवाना हुआ जुलूस, रोज़ा-ए-फात्मैन कर्बला पर हुआ समापन

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर के मीरानपुर स्थित शाही इमामबाड़े से अंजुमन अकबरिया रजिस्टर्ड के तत्वावधान में पूर्वांचल का ऐतिहासिक दो मोहर्रम का जुलूस गुरुवार देर रात निकाला गया। जुलूस पारंपरिक मार्गों से होकर शुक्रवार सुबह अयोध्या मार्ग स्थित रोज़ा-ए-फात्मैन कर्बला पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ।

जुलूस में अकबरपुर के अलावा अयोध्या, सुल्तानपुर, टांडा और जलालपुर समेत विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। अलम, दुलदुल और अमारियों की जियारत के लिए मार्ग भर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही।

जुलूस के दौरान कर्बला के शहीदों को याद किया गया। विभिन्न अंजुमनों ने नौहाख्वानी, सीनाजनी और मातम में हिस्सा लिया। अंजुमन जुल्फकारिया खासपुर, अंजुमन अब्बासिया सकरावल टांडा, अंजुमन रौनक-ए-इस्लाम जलालपुर, अंजुमन हुसैनिया सुल्तानपुर सहित अन्य अंजुमनों की सक्रिय भागीदारी रही। रोज़ा-ए-फात्मैन कर्बला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों ने अलम, दुलदुल और अमारी की जियारत की। इस अवसर पर फूलों की चादरें भी पेश की गईं।

भीषण गर्मी को देखते हुए जुलूस मार्ग पर जगह-जगह शर्बत और शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई थी। वहीं प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए।

जिलाधिकारी ने रात्रिकालीन चौपाल में सुनीं जनसमस्याएं

सम्मनपुर छितौनिया में आयोजित चौपाल, अधिकारियों को दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। तहसील भीटी क्षेत्र की ग्राम पंचायत सम्मनपुर छितौनिया में गुरुवार को रात्रिकालीन चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने ग्रामीणों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं तथा संबंधित मामलों के निस्तारण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

चौपाल के दौरान प्राप्त शिकायतों में से कई का निस्तारण मौके पर ही कराया गया। शेष मामलों के संबंध में संबंधित विभागों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। इसी क्रम में जनपद की विभिन्न ग्राम पंचायतों में भी अधिकारियों की अध्यक्षता में चौपालों का आयोजन किया गया। विकासखंड कटेहरी की प्रतापपुर चमुर्खा, जलालपुर की मालीपुर, बसखारी की हंसवर तथा रामनगर की आरिबपुर सारी ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं।

चौपालों में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। साथ ही पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

आलापुर में अतिक्रमण कार्रवाई पर उठे सवाल ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

तमसा संकेत, संवाददाता

- सिपाह बाजार और धनुकारा के मामलों को लेकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर चर्चा

आलापुर, अंबेडकर नगर। तहसील आलापुर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों और शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि विभिन्न मामलों में कार्रवाई के तरीके अलग-अलग रहे हैं, जिससे निष्पक्षता को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

सिपाह बाजार में लोक निर्माण विभाग की भूमि पर कथित अतिक्रमण की शिकायतें लंबे समय से की जा रही थीं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि प्रारंभिक स्तर पर कार्रवाई नहीं हुई। बाद में प्रशासन ने अभियान चलाकर बाजार क्षेत्र से कई अस्थायी अतिक्रमण हटवाए। इसके बाद स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठने लगा कि शिकायतों के बावजूद पहले कार्रवाई क्यों नहीं की गई। धनुकारा गांव में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि कुछ मामलों में प्रशासन ने त्वरित कदम उठाए, जबकि अन्य शिकायतें लंबे समय से लंबित हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कार्रवाई का दायरा सभी मामलों में समान नहीं रहा। ग्रामीणों के अनुसार नवीन परती भूमि की गाटा संख्या 399 और 432 पर कथित अतिक्रमण की शिकायतें कई बार की गईं, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसे लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

मंत्रा ऐप, टीकाकरण और अर्बन स्वास्थ्य सेवाओं पर हुई समीक्षा

निर्देश : जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में योजनाओं की समीक्षा

चेतावनी

“मंत्रा ऐप की प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर संबंधित समन्वयक मातृत्व स्वास्थ्य का मानदेय अग्रिम आदेश तक बाधित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही कार्य में सुधार लाने को कहा गया।

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आनन्द कुमार शुक्ला और मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रमोद कुमार मौजूद रहे। शहरी स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने 30 जून 2026 तक पांच नए अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को पूरी तरह क्रियाशील करने के निर्देश दिए। लक्ष्य पूरा न होने पर शहरी स्वास्थ्य समन्वयक का मानदेय बाधित करने की चेतावनी दी गई।

बैठक में टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति सुधारने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी अधीक्षकों को 30 जून 2026 तक गोल्डन कार्ड निर्माण का लक्ष्य हर हाल में पूरा करने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य करने और फर्स्ट रेफरल यूनिट (FRU) को सक्रिय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं जनता तक गुणवत्तापूर्ण और समय पर पहुंचनी चाहिए।

स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

बैठक में पिछली बैठक की अनुपालन आख्या के साथ विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कई योजनाओं की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बिजली आपूर्ति बाधित रहने से उपभोक्ता परेशान विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

33 केवी लाइन में गड़बड़ी के बाद कई घंटे ठप रही सप्लाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था एक बार फिर प्रभावित रही। 33 केवी लाइन में तकनीकी खराबी के कारण गुरुवार शाम निर्धारित समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने की सूचना विभाग की ओर से ग्रुप मैसेज के जरिए उपभोक्ताओं को दी गई थी।

सूचना में बताया गया था कि खराबी के कारण रात नौ बजे तक सप्लाई बंद रहेगी। इसके बाद भी देर रात तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा।

लगातार घंटों तक आपूर्ति बाधित रहने के बाद उपभोक्ताओं ने विभागीय व्यवस्था और जवाबदेही पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि बिजली जैसी आवश्यक सेवा में ऐसी लापरवाही से आपात स्थिति में गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है।

फिलहाल विद्युत विभाग की ओर से स्थिति सामान्य होने और आपूर्ति बहाल होने को लेकर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। स्टाफ व्यवस्था पर भी उठे सवाल

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा रही कि रात्रि ड्यूटी में अधिकांश कार्य संविदा और आउटसोर्स कर्मियों के सहारे चल रहा है। लोगों का कहना है कि आपात स्थिति में भी त्वरित प्रतिक्रिया नहीं मिल पा रही है।

शिकायतों के बावजूद नहीं मिला समाधान

इस दौरान उपभोक्ताओं द्वारा विद्युत विभाग के संविदा कर्मियों से लेकर अवर अभियंता और अधिशासी अभियंता तक संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका। देर रात तक समस्या बनी रहने से लोगों में नाराजगी देखने को मिली।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में योग शिविर आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

- पुलिस लाइन अकबरपुर सहित सभी विकास खंडों में अधिकारियों, पुलिसकर्मियों और आमजन ने किया योगाभ्यास

अम्बेडकरनगर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में चल रहे योग सप्ताह के अंतर्गत शुक्रवार को जनपद के सभी विकास खंडों तथा पुलिस लाइन अकबरपुर में बृहद योग शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस बल और आमजन ने सहभागिता करते हुए योगाभ्यास किया। पुलिस लाइन अकबरपुर में आयोजित मुख्य योग शिविर में पुलिस अधिकारियों और जवानों ने अनुशासन के साथ विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को ताड़ासन, वज्रासन, भुजंगासन, अनुलोम-विलोम और ध्यान जैसी विधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। योग प्रशिक्षकों ने योग की वैज्ञानिक और व्यावहारिक उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर लचीला होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा मानसिक तनाव में कमी आती है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग संतुलित जीवन का सबसे प्रभावी माध्यम है।

शिविरों में प्रतिभागियों को तनाव प्रबंधन, मानसिक एकाग्रता और शारीरिक फिटनेस के लिए योग के महत्व की जानकारी दी गई।

मंथन : गांव-गांव तक पहुंचाएंगी अधिकारों का संदेश

कार्यक्रम : सरकारी योजनाओं की जानकारी से सशक्त होंगी महिलाएं

30 महिला लीडरों को दिया गया प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

कार्यक्रम में श्रम कार्ड से जुड़ी कल्याणकारी योजनाओं, जननी सुरक्षा योजना और मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की जानकारी भी दी गई। महिलाओं को आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और पात्रता संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत कराया गया।

अम्बेडकरनगर। विकासखंड जलालपुर में जन शिक्षण केंद्र के तत्वावधान में ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत छह नई ग्राम पंचायतों की 30 महिला लीडरों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में करमिसिरपुर, सलाउद्दीनपुर, सेठाकला, खालिसपुर भटौली, टिकरी और भदोई ग्राम पंचायतों की महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत महिला सशक्तिकरण के नारों के साथ हुई। इसके बाद प्रतिभागियों का परिचय गतिविधि के माध्यम से कराया गया।

जन शिक्षण केंद्र की सचिव पुष्पा पाल ने कहा कि सरकारी योजनाओं की जानकारी के अभाव में कई जरूरतमंद परिवार लाभ से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने महिलाओं से अपने गांवों में अन्य महिलाओं को भी जागरूक करने और योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन संगठन गीत के सामूहिक गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम में उमा बारी, राधिका, पुष्पा, सरिता, रेखा, रंजन, शशिकला, निशा, उर्मिला, सरोज और बृजेश समेत अन्य कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा।

योजनाओं की जानकारी पर हुआ मंथन

प्रशिक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। महिलाओं को एक उदाहरणात्मक कहानी के माध्यम से योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और लाभों की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को समूहों में बांटकर चर्चा कराई गई, जिसके बाद उन्होंने अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए।

रोडवेज परिसर के पास सड़क पर फैली गंदगी

यात्रियों और राहगीरों को हो रही परेशानी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। अकबरपुर रोडवेज परिसर के पास मुख्य सड़क पर फैली गंदगी ने नगर पालिका की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क किनारे और मार्ग पर जगह-जगह कूड़ा बिखरा होने से राहगीरों, यात्रियों और स्थानीय लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में सफाई कार्य नियमित रूप से नहीं हो रहा है। एक दिन सफाई होने के बाद अगले दिन, विशेषकर शाम के समय, सड़क पर फिर से कूड़ा जमा दिखाई देता है। रोडवेज परिसर के आसपास प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है, लेकिन इसके बावजूद सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं दिख रही है। सड़क पर बिखरे कूड़े की स्थिति तस्वीरों में भी स्पष्ट दिखाई दे रही है। मुख्य मार्ग पर फैली गंदगी से आसपास का वातावरण प्रभावित हो रहा है और लोगों को असुविधा उठानी पड़ रही है।

क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका से रोडवेज परिसर और आसपास के क्षेत्रों में नियमित सफाई सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि बरसात के मौसम में गंदगी बढ़ने से संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है, इसलिए सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

सम्पादकीय

अमेरिका-ईरान में शांति

अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड के बजाय फ्रांस में समय से पहले अंतरिम शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने से उसके लागू होने का रास्ता तो साफ हो गया, लेकिन यह भविष्य ही बताएगा कि यह समझौता पश्चिम एशिया में स्थायी शांति का मार्ग वास्तव में प्रशस्त कर पाएगा या नहीं? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि इजरायल इस समझौते से खुश नहीं। यह कहना भी कठिन है कि इजरायल के साथ ईरान भी समझौते के अनुरूप आचरण करेगा।

यदि ईरान हिजबुल्ला और हाउती जैसे संगठनों को इजरायल को निशाना बनाने के लिए उकसाता है तो इस समझौते का टूटना तय है। यह अमेरिका की कमजोरी का ही प्रमाण है कि वह ईरान पर इसके लिए दबाव नहीं बना पाया कि वह इजरायल के लिए खतरा बने हिजबुल्ला और हाउती जैसे संगठनों की मदद करना बंद करे। ये दोनों संगठन एक तरह से ईरान की छद्म सेनाएं ही हैं।

अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर के बाद अमेरिका और ईरान की ओर से अपनी-अपनी जीत का दावा करना स्वाभाविक है, क्योंकि दोनों पक्षों को अपनी जनता को भी संतुष्ट करना है, लेकिन फिलहाल ईरान अधिक लाभ में दिख रहा है। अमेरिका और इजरायल ने जिन उद्देश्यों के लिए बीती 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया, वे उन्हें हासिल होते नहीं दिख रहे हैं। ईरान में न तो सत्ता परिवर्तन हो सका और न ही उसकी घातक मिसाइल क्षमता नष्ट हो पाई। उलटे उसने खाड़ी के देशों में अमेरिकी ठिकानों पर हमले कर इन देशों के मन में अपनी सुरक्षा के लिए डर पैदा करने का काम किया।

इन हमलों से ईरान ने यही संदेश दिया कि खाड़ी के देश अमेरिकी सैन्य छतरी तले सुरक्षित नहीं। यदि अमेरिका और इजरायल के लिए संतोष की कोई बात है तो केवल यही कि ईरान ने परमाणु हथियार न बनाने का वादा किया है, लेकिन इसमें संदेह है कि वह अपने इस इरादे का सदैव के लिए परित्याग करेगा। 14 बिंदुओं वाले अंतरिम समझौते के तहत यह भी तय हुआ है कि ईरान 60 दिनों के लिए होर्मुज समुद्री मार्ग खोल देगा, लेकिन यह प्रश्न अनुत्तरित है कि इसके बाद क्या होगा? यदि वह 60 दिनों बाद इस समुद्री मार्ग से निकलने वाले जहाजों से टैक्स वसूलने लगता है तो इससे अमेरिका की हेठी ही होगी। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के पहले यह समुद्री मार्ग सबके लिए खुला था, लेकिन अब ईरान उस पर आधिपत्य चाहता है। यदि वह इसमें सफल हो जाता है तो खाड़ी देशों के साथ अमेरिका को तो झटका लगेगा ही, विश्व अर्थव्यवस्था को भी नुकसान होगा, क्योंकि तेल और गैस के दाम बढ़ सकते हैं। ईरान को यह लाभ मिलता भी दिख रहा है कि अब वह अपना तेल बेचने के लिए स्वतंत्र होगा। साफ है कि अमेरिका के लिए दुनिया को यह बताना कठिन होगा कि उसे ईरान पर हमले से हासिल क्या हुआ?

मनुष्य जन्म

कोई व्यक्ति यह सोचे कि मेरे बिना उसका काम नहीं चलता या उसके बिना मेरा काम नहीं चलता तो यह उसका मानसिक भ्रम है। सच्चाईं यह है कि किसी का काम किसी के बिना रुका नहीं रहता। जन्म और मृत्यु का प्रवाह बहता है। हर व्यक्ति इस प्रवाह में बहकर अदृश्य हो जाता है और संसार का काम ज्यों-का-त्यों चलता रहता है। शास्त्र में चार चीजें दुर्लभ बताईं गईं हैं । मनुष्य जन्म का मिलना, उच्च कुल में जन्म, धर्म का श्रवण व धर्म में श्रद्धा और संयम में पराक्रम । मनुष्य जन्म यदि मिल जाए तो जीवन कैसे जीया जायें यह बहुत महत्वपूर्ण बात होती हैं । हम मानव को जीवन को अच्छे लक्ष्य के साथ जीना चाहिए । मनुष्य एक चिंतनशील और विवेकशील प्राणी हैं । शस्त्रों में तो यहां तक कहां गया हैं कि पूर्व कर्मों का नाश करने के लिए इस देह को धारण करना चाहिए । हमें यह दुर्लभतम मनुष्य जीवन पूर्व भव में सदकर्मो के कारण मिला है, अतः हम अहम् एवं परम् शत्रु गुस्सै, भौतिकवाद आदि सें दूर रहतें हुवें, हर परिस्थिति में सं रहतें हुवें, विवेक सें चिंतन एवं सभी के प्रति विनम्रता सें पेश आते हुवें, सभी के सुःख - दुःख में सहभागी बनते हुवें, त्याग - तपस्या, स्वाध्याय, साधना आदि करतें हुवें, इस जन्म का पूरा सार निकालते हुवें, हम अपने परम् धाम की और अग्रसर हों। मनुष्य जीवन को यदि वृक्ष मान लिया जाए तो छः फल मनुष्य जीवन रूपी वृक्ष के लगने चाहिए । उसमें पहला बताया गया है -जिनेश्वर भगवान् की भक्ति करें, नाम स्मरण करें । दूसरा बताया गया हैं- गुरु की पर्युपासना करें । तीसरा फल - सभी प्राणियों के प्रति करुणा का भाव रखना । अपनी और से किसी को कष्ट देने का व्यर्थ प्रयास न करें । चौथा फल हैं-सुपात्र दान देना । पांचवां फल हैं- गुणों के प्रति अनुराग और छठा फल हैं- आगम वाणी का श्रवण व स्वाध्याय । इस प्रकार यदि मनुष्य जीवन रूपी वृक्ष पर ये फल लगते हैं तो उसका जीवन सफल हो सकता हैं । पुण्योदय से प्राप्त मानव जीवन को सफल एवं सार्थक बनाने के लिए दुष्प्रर्वर्तियों, कुसंगतियों, अन्याय , अधर्म ,और पशुवत् व्यवहारों आदि से दूर रहकर सत्मार्ग पर गतिशील रहना चाहिए ।

> प्रदीप छाजेड़

तेल, व्यापार और कूटनीतिः ईरान जंग ने भारत को क्या सिखाया

> भारत इस संघर्ष का प्रत्यक्ष पक्ष नहीं था, फिर भी दुनिया के किसी भी बड़े ऊर्जा संकट की तरह इसकी सबसे बड़ी कीमत भारत जैसे आयात-निर्भर देशों को चुकानी पड़ी।

110 दिनों तक चली अमेरिका-ईरान जंग आखिरकार एक समझौते के साथ थम गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इसे अपनी बड़ी कूटनीतिक जीत बता रहे हैं जबकि आलोचकों का कहना है कि युद्ध के जिन उद्देश्यों को लेकर अमेरिका मैदान में उतरा था, उनमें से कोई भी पूरी तरह हासिल नहीं हुआ। दूसरी ओर ईरान अपनी सत्ता, परमाणु ढांचे और क्षेत्रीय प्रभाव को बचाने में सफल दिखाई देता है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इसका भारत पर क्या असर होगा? तेल महंगा हुआ, रुपया दबाव में आया, महंगाई बढ़ी, उर्वरक उत्पादन प्रभावित हुआ और आर्थिक विकास की गति धीमी पड़ी। अब जबकि युद्धविराम हो गया है और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने की घोषणा की गई है, सवाल यह है कि क्या भारत के लिए संकट समाप्त हो गया है या असली चुनौती अभी बाकी है।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि युद्धविराम और सामान्य स्थिति में फर्क होता है। अमेरिका और ईरान के बीच हुई 14 बिंदुओं वाली डील में होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने का प्रावधान है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि कल से तेल आपूर्ति पहले जैसी हो जाएगी। होर्मुज दुनिया की ऊर्जा धमनियों में से एक है। वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत इसी रास्ते से गुजरता है। भारत के लिए इसका महत्व और भी अधिक है क्योंकि उसका अधिकांश कच्चा तेल खाड़ी देशों से आता है। समस्या यह है कि युद्ध के दौरान समुद्र में बिछाई गई बारूदी सुरंगें, सुरक्षा जोखिम, बीमा प्रीमियम और संभावित राजनीतिक अस्थिरता अभी भी बरकरार हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि होर्मुज में पूरी तरह सामान्य यातायात बहाल होने में कई महीने लग सकते हैं। इसका मतलब है कि कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल और स्थायी गिरावट की उम्मीद करना जल्दबाजी होगी।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है। अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों का हर उतार-चढ़ाव सीधे भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। युद्ध शुरू होने से पहले ब्रेंट क्रूड लगभग 72 डॉलर प्रति बैरल था। संघर्ष के चरम पर यह 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। इससे भारत का आयात बिल अचानक बढ़ गया। सरकार ने शुरुआती महीनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बढ़ाईं। इसका बोझ तेल विपणन कंपनियों पर पड़ा। बाद में कीमतों में वृद्धि करनी पड़ी, लेकिन तब भी कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा। अब यदि तेल फिर से 70 डॉलर के आसपास भी आ जाए तो भी पेट्रोल-डीजल तुरंत सस्ते होने की संभावना कम है। सरकार और तेल कंपनियां पहले युद्धकालीन नुकसान की भरपाई करना चाहेंगी, यानी आम उपभोक्ता के लिए राहत की राह अभी लंबी है।

तेल केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव परिवहन, बिजली, उद्योग, कृषि और उपभोक्ता वस्तुओं तक जाता है। युद्ध के दौरान भारत में थोक महंगाई दर 43 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गई। परिवहन लागत बढ़ी तो वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ीं। खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक लगभग हर क्षेत्र प्रभावित हुआ। अगर होर्मुज में कोई नया तनाव पैदा होता है और तेल कीमतें फिर ऊपर जाती हैं तो भारत में महंगाई का दबाव दोबारा बढ़ सकता है।

यानी भारतीय रिजर्व बैंक को ब्याज दरों को लेकर अधिक सतर्क रहना पड़ेगा। इससे निवेश और आर्थिक गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है।

ऊर्जा आयात बढ़ने का सबसे बड़ा असर विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये पर पड़ता है। युद्ध के दौरान भारत का आयात बिल बढ़ा और डॉलर की मांग भी। परिणामस्वरूप रुपया कमजोर हुआ। कमजोर रुपया केवल तेल ही नहीं, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, रसायन और अन्य आयातित वस्तुओं को भी महंगा बनाता है। यदि खाड़ी क्षेत्र में फिर अस्थिरता बढ़ती है तो रुपया एक बार फिर दबाव में आ सकता है। इसलिए युद्धविराम के बावजूद भारतीय वित्तीय बाजार पूरी तरह निश्चिंत नहीं हैं।

इस युद्ध का सबसे कम चर्चित लेकिन सबसे गंभीर प्रभाव भारतीय कृषि पर पड़ा है। भारत यूरिया और एलएनजी के लिए खाड़ी देशों पर काफी हद तक निर्भर है। युद्ध के कारण इनकी आपूर्ति प्रभावित हुई। नतीजतन उर्वरक उत्पादन में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। यदि यह स्थिति लंबे समय तक रहती तो खेती की लागत और खाद्य महंगाई दोनों बढ़ सकती थीं। हालांकि फिलहाल आपूर्ति बहाल होने की उम्मीद है, लेकिन इस संकट ने भारत को एक बार फिर याद दिलाया है कि खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं।

इस पूरे संकट का एक भू-राजनीतिक पहलू भी है। अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता में ओमान, कतर और पाकिस्तान जैसे देशों की भूमिका दिखाई दी। रूस और चीन लगातार सक्रिय रहे। लेकिन भारत, जो दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और खाड़ी क्षेत्र से गहरे आर्थिक संबंध रखता है, शांति प्रक्रिया में लगभग अदृश्य रहा। यह स्थिति भारत की विदेश नीति के सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करती है। क्या भारत केवल आर्थिक शक्ति बनकर रह जाएगा या भविष्य में क्षेत्रीय और वैश्विक संकटों में प्रभावशाली कूटनीतिक भूमिका भी निभाएगा? विशेष रूप से तब, जब खाड़ी क्षेत्र में लगभग 90 लाख भारतीय रहते हैं और भारत के ऊर्जा हित सीधे इस क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। इस युद्ध ने भारत को तीन बड़े सबक दिए हैं। पहला, ऊर्जा निर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न है। जब तक भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर विदेशों पर निर्भर रहेगा, तब तक किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष का असर उसकी अर्थव्यवस्था पर पड़ता रहेगा। दूसरा, रणनीतिक भंडारण और ऊर्जा विविधीकरण को और तेज करना होगा। रूस, अमेरिका, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका से तेल आयात बढ़ाने की नीति को और मजबूत करना पड़ेगा।

तीसरा, अक्षय ऊर्जा अब केवल पर्यावरणीय एजेंडा नहीं बल्कि आर्थिक और सामरिक आवश्यकता है। सौर, पवन, हरित हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में निवेश भारत को भविष्य के ऐसे संकटों से बचा सकता है। इस प्रश्न का उत्तर दुर्भाग्य से 'हां' है। अमेरिका-ईरान समझौते में कई महत्वपूर्ण मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंतिम सहमति नहीं बनी है।

राजेश जैन

वक्त सबसे बड़ी ...

डॉ रमेश ठाकुर

मानवीय कर्तव्य समझें पीड़ितों को आश्रय देना?

आज 20 जून को समूचे संसार में 'विश्व शरणार्थी दिवस मनाया जा रहा है जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर के अनगिनत लोगों को सम्मानित करने के लिए नामित एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस है। ऐसे अभागे लोग जिन्हें मजबूरियों, संघर्ष, हिंसा, उत्पीड़ित होकर ना चाहते भी अपने घरों को छोड़ना पड़ा हो। आज का दिवस शरणार्थियों की हिम्मत, शक्ति, साहस, संकल्प की सराहना करता है, उन्हें धैर्य रखने का संबल प्रदान करता है। शरणार्थियों के रूप में विश्व की बड़ी आबादी आज भी बे-मुल्क है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 4 दिसंबर, 2000 को 'विश्व शरणार्थी दिवस' घोषित किया गया था और अगले ही वर्ष यानी 2001 से, दिवस को वार्षिक कार्यक्रम के रूप में मनाने की पहचान मिली। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1951 'कन्वेंशन रिफ्यूजी स्टेटस' की 50वीं वर्षगांठ के रूप में इस दिवस को चिह्नित किया था। हालांकि, कुछेक मुल्कों ये दिवस अलग-अलग तिथियों में मनाया जाता है। शरणार्थी दिवस हमें बेघर लोगों की सुरक्षा करने, उनकी आर्थिक दुर्दशा सुधारने और समाज के साथ तालमेल बिठाने की दिशा में वकालत के लिए प्रेरित करता है। भारत में इस समय विभिन्न देशों के करीब 2 से 3 लाख के बीच निर्वासित लोग हैं। शरणार्थियों के अधिकृत आंकड़े देखें, तो भारत में वर्ष-2021 में शरणार्थियों की संख्या 2,12,413 थी। 2022 में 8.72 फीसदी की बढ़ौतरी होकर संख्या 2,42,835 तक पहुंची। जबकि, सन् 2020 में 195,373 ही थी। सीरिया, अफगानिस्तान, दक्षिण सूडान, म्यांमार व सोमालिया ये पांच ऐसे मुल्क हैं जिनमें विश्व की तकरीबन दो तिहाई से अधिक शरणार्थियों की आबादी बसी हुई है। जरा सोचिए, अगर ये देश भी इन लोगों को खदेड़ दें? तो इनका क्या होगा। भारत अफगानिस्तान, बांग्लादेश, पाकिस्तान जैसे एकाध और एशियाई देशों के शरणार्थियों डेरा डाले हुए हैं। ये सभी हिंदू हैं जिन्हें उपरोक्त देशों ने धर्म के आधार पर पीड़ित किया, जिसके चलते इन्होंने हिंदुस्तान की शरण ली। हालांकि इन्हें नागरिकता देने के लिए केंद्र सरकार ने सीएए कानून लागू किया है। लेकिन सवाल उठता है, भारत ने तो शरणार्थियों का समाधान निकाल लिया पर, अन्य देश इस समस्या को सुलझाने के लिए कब पहल करेंगे? 2026 की थीम है 'शरणार्थियों के साथ एकजुटता' जबकि, 2025 की थीम 'निर्वासितों के स्वास्थ्य की देखरेख करना'।

गौतरलब है भारत में तिब्बत, भूटान, नेपाल व मंम्यार के शरणार्थी भी पनाह लिए हुए हैं। ये आधुनिक समय की विकट समस्याओं में एक है। शरणार्थियों के संबंध में हमें समझना होगा, आखिर ये होते कौन हैं ।

> समय बदला है और व्यवस्थाएं भी बदली हैं। हुकूमतें भी सख्त हैं, कानन-व्यवस्थाएं भी दुरुस्त हैं, के बावजूद भी शरणार्थियों की समस्याएं जस की तस बनी है। एशिया कुछ ज्यादा ही इस परेशान से घिरा है। शायद कोई ऐसा एशियाई मुल्क नहीं, जहां विगत वर्षों से म्यांमार के रोहिंग्या न पहुंचे हों।
> दिक्कत सबसे बड़ी एक ये है अपना देश छोड़ने के बाद शरणार्थी फिर आसानी से अपने घर वापस नहीं लौट पाते? फिर उन्हें ताउम्र दर-दर ही भटकना पड़ता है क्योंकि आज कोई भी मुल्क ऐसे लोगों को पनाह देने को राजी नहीं हैं। एक वक्त था, जब शरणार्थी सिर्फ हिंसा, दंगा या युद्ध के चलते ही अपना देश छोड़ते थे पर, अब जातीय और धार्मिक कारणों के चलते भी लोग घर छोड़ने है।

योग, भोग ...

वेदव्यास

कोई राम भरोसे है तो कोई राज भरोसे है

जिस तरह गंगा, यमुना और सरस्वती, भारत में हिंदुत्व का संगम है, उसी तरह योग, भोग और रोग, हमारे जीवन में सुख-दुख की त्रिवेणी है। भूख और प्यास के अथाह समुद्र में डूबा और कुपोषण, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के चक्रव्यूह में फंसा और काम, क्रोध, मद, लोभ और मोह के दलदल में हाथ पैर मारता मेरा देश आजकल-जाति धर्म की महामारी से जूझ रहा है, क्योंकि इसके 140 करोड़ देवी-देवता ज्ञान और अज्ञान एक साथ पी रहे हैं। कोई राम के भरोसे है, तो कोई राज के खजाने पर निर्भर है, तो कोई भाग्य के सहारे भविष्य के नाम पर प्रार्थना-प्रवचन सुन रहा है। इस तरह विश्व गुरु की तीन पीढ़ियां एक साथ अपनी नाव को लहर-लहर पार करते हुए मझधार में डूब रही है और मोक्षदायिनी मां गंगा की गोद में सपनों को बहते हुए देख रही हैं। सब चुप हैं-क्योंकि-फरिश्ता देख रहा है और सब निराश हैं, क्योंकि धर्म दूतों को पूरे आर्यवर्त में कोई संजीवनी पर्वत नहीं मिल रहा है। यहां सच कहना अपराध है फिर भी विनम्रता और दृढ़ता से कह रहा हूं कि बहुमत की इंद्रसभा में सब कुछ परिवर्तन के नाम पर मनमाना हो रहा है। विगत को गालियां देते-देते संतों की दाढ़ी सफेद हो गई है और मन की बात सुनाते-सुनाते वाणी की अमृत भी विष बन गया है। क्योंकि राजनीति के दंगल में हर पहलवान लूटो-खाओ और मौज मनाओ का मंगल मंत्र पढ़ रहा है। अब जनता से कोई नहीं पूछता कि उसके अच्छे दिन अब कहां दम तोड़ रहे हैं? ऐसे में एक गुजराती कवि पारूल खक्खर कहते हैं कि एक आवाज में मुर्दे बोले, सब कुछ चंगा-चंगा/राजन तेरे वस्त्र दिव्य हैं, और दिव्य है ज्योति/राजन असली रूप ये तेरा देखे सारी बस्ती/ है माई का लाल कोई जो बोले-राजा नंगा/ लपटें देख के गाल बजाए, वाह रे बिल्ला-रंगा/ राजन, तेरे रामराज्य में शव वाहिनी गंगा।

योग, भोग और रोग की इस प्रयोगशाला का पुण्य प्रताप अब ये है कि सरकार बिना जनता को विश्वासों में लेकर आए दिन संसद में ध्वनि मत से प्रस्ताव पारित करते हुए नोटबंदी कर देती है। आत्मनिर्भर भारत का शंखनाद कर देती है, भूखे-नंगे-अनपढ़ गांवों में डिजिटल इंडिया का जाल फैला देती है। आयात को ''मेक इन इंडिया'' बनाकर निर्यात कर लेती है, बाजार को काबू करने के लिए एक देश-एक टैक्स (जीएसटी) थोप देती है और पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, खाद-बीज को महंगा करके किसान, मजदूर और नौकरीपेशा मुंगेरीलाल की कमर तोड़ देती हैं।

अब कोई सुनने वाला और जवाब देने वाला नहीं है कि राशन की दुकानों पर गली-मोहल्लों में लाइनें क्यों लगी हैं और मनरेगा में करोड़ों बेरोजगारों की भीड़ क्यों बढ़ रही है और महंगाई तथा बेरोजगारी शुतुरमुर्ग की तरह जमीन में क्यों घुस रही है। आश्चर्य तो ये है कि केंद्र तो अपनी छवि चमका रहा है, लेकिन राज्यों का दिवाला निकल रहा है। शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, उद्योग और शासन-प्रशासन सभी चौपट हो गए हैं। कानून और यातना का डंडा बजाकर प्रतिरोध करने वालों को जेलों में ठूंसा जा रहा है तथा अदालतों को देशद्रोह और आतंकवाद का खतरा बताकर गुमराह किया जा रहा है।

जरा हटके

अपनी स्थापना के...

संजय कुमार सुमन

अंतरराष्ट्रीय योग दिवसः स्वस्थ और लंबी उम्र का आधार

योग एक प्राचीन विद्या है जिसकी उत्पत्ति भारत में हजारों वर्ष पहले हुई थी। इसमें आसन,प्राणायाम, ध्यान और नैतिक सिद्धांत शामिल हैं। योग का अभ्यास मन, शरीर और आत्मा को एकीकृत करके समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है।

योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का एक प्रभावी तरीका है।योग एक प्राचीन भारतीय अभ्यास है, जो शारीरिक आसनों, श्वास तकनीकों और ध्यान के माध्यम से शरीर और मन के संतुलन पर जोर देता है।आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और बढ़ते तनाव के बीच योग का महत्व काफी बढ़ गया है, क्योंकि यह न सिर्फ स्ट्रेस को कम करता है, बल्कि शरीर को फिट और दिमाग को शांत रखने में भी मदद करता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हमें बताता है कि हमारे जीवन में योग को अपनाकर हम अपने लाइफस्टाइल को फ्लेक्सिबल, संतुलित और स्ट्रेस फ्री बना सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न देशों में सामूहिक योग सत्र, जागरूकता कार्यक्रम और स्वास्थ्य अभियानों का आयोजन किया जाता है। यह दिवस लोगों को निवारक स्वास्थ्य देखभाल और संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है, जिससे वैश्विक स्तर पर समग्र कल्याण को बढ़ावा मिलता है।

योग की उत्पत्ति भारत की वैदिक संस्कृति और ऋषि-मुनियों की हजारों वर्ष पुरानी साधना से जुड़ी है। संस्कृत की 'युज' धातु से बने इस शब्द का अर्थ है आत्मा का परमात्मा से मिलन, या मन और शरीर का जुड़ाव। आधुनिक विश्व में इसे वैश्विक पहचान दिलाने का श्रेय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक महत्वपूर्ण क्षण से हुई। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग की वैश्विक लोकप्रियता और समग्र लाभों को समझते हुए इस प्राचीन अभ्यास के लिए एक दिन समर्पित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने 21 जून की तारीख का सुझाव दिया क्योंकि यह ग्रीष्म संक्रांति का प्रतीक है, उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन है, और दुनिया के कई हिस्सों में इसका विशेष महत्व है। इस प्रस्ताव को भारी समर्थन मिला, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्य देशों ने सह-प्रायोजक बनकर इसे पारित किया, जो किसी भी संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्ताव के लिए एक रिकॉर्ड संख्या है। 11 दिसंबर 2014 को, संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। इस प्रस्ताव में व्यक्तिगत स्वास्थ्य, सद्भाव और शांति को बढ़ावा देने में योग की भूमिका को मान्यता दी गई, जो कि व्यापक रूप से विश्व स्तर पर लागू होती है।

अपनी स्थापना के बाद से, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विश्व भर में उत्साहपूर्वक मनाया जाता रहा है। प्रत्येक वर्ष, एक विशिष्ट विषय योग के विभिन्न पहलुओं को उजागर करता है, जो समकालीन मुद्दों के संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता पर बल देता है।

इस दिन, योग के प्रति उत्साही, आयुर्वेदिक चिकित्सक और विशेषज्ञ दुनिया भर में विभिन्न और गतिविधियों का आयोजन करते हैं। बड़े पैमाने पर योग सत्र, कार्यशालाएं, सेमिनार और प्रदर्शन पार्कों, स्टेडियमों और सामुदायिक केंद्रों में आयोजित किए जाते हैं, जो योग के साझा उत्सव में लोगों को एक साथ लाते हैं। ये आयोजन व्यक्तियों को उनकी उम्र, पृष्ठभूमि या फिटनेस स्तर की परवाह किए बिना योग की परिवर्तनकारी शक्ति का अनुभव करने का अवसर प्रदान करते हैं।

साल 2026 का योग दिवस कई मायनों में खास माना जा रहा है। बदलती जीवनशैली, बढ़ती उम्र के साथ होने वाली स्वास्थ्य समस्याएं और मानसिक तनाव जैसी चुनौतियों के बीच इस बार की थीम लोगों को स्वस्थ और सक्रिय जीवन की दिशा में प्रेरित करने का संदेश देती है। विशेषज्ञों का मानना है कि योग केवल शरीर को फिट रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने का भी एक प्रभावी तरीका है।संयुक्त राष्ट्र और संबंधित आयोजकों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की थीम Yoga for Healthy Ageing यानी स्वस्थ उम्र बढ़ने के लिए योग रखी गई है। यह थीम इस बात पर केंद्रित है कि बढ़ती उम्र में भी व्यक्ति शारीरिक रूप से सक्रिय, मानसिक रूप से संतुलित और भावनात्मक रूप से मजबूत रह सकता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा घोषित यह विषय वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे मानसिक तनाव, अवसाद और आपसी टकराव को दूर करने की क्षमता पर जोर देता है।यहाँ योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आंतरिक ज्ञान को जगाने और दुनिया में शांति स्थापित करने का माध्यम है।

संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक संस्थाओं ने इस वर्ष वृद्धजनों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया है। बदलती जीवनशैली में बढ़ती उम्र के साथ आने वाली शारीरिक अक्षमताओं, जैसे जोड़ों का दर्द, संतुलन की कमी और एकाकीपन को दूर करने में कोमल योग आसन और प्राणायाम एक रामबाण सिद्ध हो रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ने भौगोलिक सीमाओं, धर्मों और संस्कृतियों की दीवारों को तोड़कर पूरी दुनिया को एक सूत्र में पिरोया है। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर पेरिस के एफिल टॉवर और टोक्यो के पार्कों तक, लाखों लोग एक साथ एक ही समय पर योग करते हैं।यह दृश्य भारत के प्राचीन दर्शन 'वसुधैव कुटुंबकम' (पूरी धरती ही मेरा परिवार है) को चरितार्थ करता है। वर्ष 2026 में योग ने विभिन्न देशों के बीच कूटनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने वाले एक 'सॉफ्ट पावर' के रूप में अपनी स्थिति और सुदृढ़ कर ली है।यह दुनिया को सिखाता है कि बिना किसी संसाधन या महंगे उपकरणों के भी केवल एक चटाई की मदद से स्वास्थ्य क्रांति लाई जा सकती है।

नृपेंद्र मिश्रा बोले- चर्चा है लोग जेबों में गड्डियां लेकर गए, बैंक भी बच नहीं सकता

'राम मंदिर के बेईमानों को सात वंश तक श्राप लगेगा'

फटकार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। 'चंपत राय श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के कर्ता-धर्ता हैं। चंपत राय की निष्ठा पर सवाल नहीं उठाऊंगा। वह पिछले 35 सालों से मंदिर आंदोलन से जुड़े हुए हैं। लेकिन निगरानी में कमी की है। चढ़ावे में बेईमानी करने वालों को 7 वंश तक श्राप लगेगा।'

ये बातें अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्रा ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कही। 71 एकड़ में फैले राम मंदिर का निर्माण नृपेंद्र मिश्रा की देखरेख में हुआ है। वे श्रीराम जन्मभूमि निर्माण समिति के चेयरमैन हैं। चढ़ावे में चोरी कब से हो रही इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। SIT जांच कर रही है, मैं अनुमान नहीं लगाऊंगा। मेरी कोशिश रहती है कि ट्रस्ट के काम में दखल न दूं। चढ़ावे में चोरी की ख़बरों के बाद अलग से जानकारी जुटाई। पिछले 3 साल में हर महीने कितना पैसा आया इसकी जानकारी जुटाई। कभी 4 करोड़ तो कभी 10 करोड़ रुपए से ज्यादा पैसा आया। दान या चढ़ावे को लेकर बहुत पारदर्शिता रखी जानी चाहिए। रोजाना हिसाब का लेखा-जोखा वेबसाइट पर आना चाहिए। गाइडलाइन में लिखा है कि बिना जेब वाले कपड़े पहनने चाहिए। प्रवेश के समय और बाहर जाते समय पूरी जांच हो। चर्चा है कि लोग पॉकेट में गड्डियां लेकर बाहर गए। दिशा निर्देश अच्छे हैं, क्रियान्यवन में कमी रह गई।

पूरी प्रक्रिया में SBI के रोल को भी देखना होगा। SBI इससे बच नहीं सकता, काउंटिंग की जिम्मेदारी उनकी है। समझौते में लिखा है कि SBI काउंटिंग कराएगा। बहुमूल्य धातु को लेकर भी SIT जांच करेगी। श्रद्धालुओं ने दान पात्र में अंगूठियां भी डालीं। कान के गहने और सोने की चूड़ियां भी दान पात्र में डाले गए। दान पात्र में डाले गए आभूषण की रसीद नहीं है। SIT हर चीज की बारीकी से जांच कर रही है। सबसे अलग-अलग पूछताछ भी की जा रही है। ट्रस्ट की तरफ से मामले की लीपापोती असंभव है। ट्रस्ट की तरफ से SIT जांच का अनुरोध किया गया था। SIT की जांच किसी भी लेवल पर प्रभावित नहीं होगी।

चढ़ावे में गड़बड़ियों में मुझे दुख है

श्रद्धालुओं के विश्वास में आई कमी को ठीक करना है। मैनेजमेंट के दो हिस्से होते हैं- निष्ठा और निगरानी। पहला हिस्सा- कर्मचारियों की निष्ठा के प्रति विश्वास रखना। दूसरा हिस्सा- कर्मचारियों की निगरानी रखना। निष्ठा और निगरानी एक सिक्के के दो पहलू हैं। चंपत राय से निष्ठा नहीं, निगरानी में कमी हुई है। मुझे मंदिर के चढ़ावे और दान से जुड़ी कथित गड़बड़ियों पर दुख है।

- नृपेंद्र मिश्रा ने कहा- राम मंदिर चढ़ावा चोरी को साठगांठ कहना गलत है। एसआईईटी सबूत जुटा रही है।

> नृपेंद्र मिश्रा ने कहा- चढ़ावा चोरी का मामला पहले सामने आए जमीन खरीद विवाद से अधिक गंभीर और चुनौतीपूर्ण है। जमीन खरीद की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई गई थी। वह घटना एक चेतावनी थी कि अगर व्यवस्थाओं में पारदर्शिता नहीं होगी तो कठिनाइयां पैदा हो सकती हैं।

यूपी में और गहराएगा बिजली संकट सिंगरौली में दोनों एचवी लाइनें फेल

3000 मेगावाट बिजली ठप, 7 दूसरी यूनिटें भी बंद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। भीषण गर्मी के कारण प्रदेश में बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। ठीक उसी समय बुधवार की शाम को सिंगरौली क्षेत्र की दोनों उच्च वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनों में अर्थ फॉल्ट से ट्रिपिंग हो गई। इसके चलते NTPC की रिहंद तापीय विद्युत स्टेशन की तीनों इकाइयां बंद हो गईं, जिससे कुल 3000 मेगावाट उत्पादन प्रभावित हुआ। इसमें उत्तर प्रदेश को लगभग 950 मेगावाट बिजली का नुकसान हुआ।

इसके अलावा केंद्रीय क्षेत्र की घाटमपुर यूनिट-2 (660 MW) और खुर्जा यूनिट-2 (660 MW), निजी क्षेत्र की ललितपुर तापीय परियोजना यूनिट-3 (660 MW), अनपरा-सी यूनिट-1 (600 MW) तथा रोजा यूनिट-1 (300 MW) भी विभिन्न तकनीकी कारणों से प्रभावित रहीं। राज्य विद्युत उत्पादन निगम की ओबरा-सी यूनिट-2 और हरदुआ-गंज-डी यूनिट-9 भी तकनीकी खराबी के चलते बंद हुईं, जिन्हें बाद में सफलतापूर्वक चालू कर लिया गया। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL) ने स्थिति को संभालने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं। अन्य उपलब्ध स्रोतों से अतिरिक्त बिजली की व्यवस्था करने का प्रयास किया जा रहा है। कंपनी विद्युत व्यवस्था की सतत निगरानी कर रही है और बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं।

फास्ट न्यूज

'एसआईटी पूरी तरह बोगस और फ्रॉड है'

लखनऊ । लखनऊ में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जन्मदिन पर रुद्राभिषेक करने के बाद यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने राममंदिर चढ़ावा मामले में बयान दिया है। उन्होंने कहा- हम रामभक्त हैं, इनकी तरह चंदा चोर और चढ़ावा चोर नहीं हैं। ये पूरी तरीके से चढ़ावा चोर साबित हो गए। योगी से कहना चाहूंगा कि थोड़ा भी गेरुआ वस्त्र का सम्मान हो तो आप तुरंत उच्च न्यायालय से जांच कराइए।

सड़क हादसे में स्कूटी सवार की मौत, 2 घायल

दुबग्गा। लखनऊ में सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से गुस्साए मृतक के परिजनों ने करीब ढाई घंटे रोड जाम करके प्रदर्शन किया। तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर उचित मुआवजा व कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया।

घटना शुक्रवार शाम को काकोरी क्षेत्र में हरदोई रोड पर हुई। पहले रोडवेज बस और पिकप की टक्कर हुई। उनकी चपेट में बाइक और स्कूटी भी आ गई। हादसे में स्कूटी सवार की मौत हुई। पिकप और बाइक चालक घायल हुआ।

गोरखपुर में दांत के साथ पैदा हुआ बच्चा

गोरखपुर। गोरखपुर के बड़हलगंज में एक ऐसे बच्चे ने जन्म लिया, जिसके मुंह में जन्म लेने के समय से ही दांत है। इस बात ने शुरू में परिजनों को परेशान किया लेकिन डॉक्टर ने उन्हें आश्वस्त किया कि इसमें डरने की कोई बात नहीं। यह असंभव नहीं लेकिन रेयर है। कभी-कभी ऐसे मामले सुने, देखे जाते हैं। फिलहाल बच्चा स्वस्थ है। डॉक्टर ने उसके दांत की निगरानी करने को कहा है।

विधान सभा सचिवालय में छह अधिकारियों को पदोन्नति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय ने अधिष्ठान अनुभाग द्वारा जारी आदेश के तहत छह अधिकारियों को पदोन्नति प्रदान की है। यह पदोन्नति प्रधान निजी सचिव (निःसंवर्गीय) श्री देश राज मौर्य के 31 मई 2026 को सेवा निवृत्त होने के फलस्वरूप रिक्त हुए पदों के सापेक्ष की गई है।

जारी आदेश के अनुसार संबंधित अधिकारियों को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अस्थायी एवं स्थानापन्न रूप से उच्च पदों पर पदोन्नत किया गया है।

पदोन्नति प्राप्त अधिकारियों में श्री जै. किशोर को प्रधान निजी सचिव (निःसंवर्गीय), श्री जय प्रकाश तिवारी को निजी सचिव (श्रेणी-4), श्री राम संहार यादव को निजी सचिव (श्रेणी-3), श्री माता प्रसाद रावत को निजी सचिव (श्रेणी-2), श्री आशीष कुमार तिवारी को विशेष कार्याधिकारी (निःसंवर्गीय) तथा श्री श्याम बहादुर मौर्य को निजी सचिव (श्रेणी-1) के पद पर पदोन्नत किया गया है।

प्रदेश में अब तक 2.99 करोड़ से अधिक नए ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं

डिजिटल गवर्नेंस का मॉडल बना यूपी परिवहन विभाग

उत्तर प्रदेश परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन ने कहा कि हमारा लक्ष्य नागरिकों को कम समय में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। कार्यालयों में आने के बजाए अब लोग ऑनलाइन ही विभिन्न सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। डिजिटल गवर्नेंस के तहत यह विभाग की बड़ी उपलब्धी है।

- आरटीओ के चक्कर कम हुए, योगी सरकार ने परिवहन सेवाओं को बनाया स्मार्ट और ऑनलाइन
- वाहन और सारथी पोर्टल के माध्यम से 49 फेसलेस सेवाओं से बढ़ी पारदर्शिता

- 5.30 करोड़ से अधिक वाहनों का डिजिटल प्रबंधन, तकनीक के दम पर आगे बढ़ रहा यूपी
- लखनऊ आरटीओ सबसे आगे, ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन पंजीकरण में रिकॉर्ड उपलब्धि

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में डिजिटल गवर्नेंस को नई पहचान मिली है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण प्रदेश का परिवहन विभाग बनकर उभरा है, जहां तकनीक के व्यापक उपयोग से सेवाओं को पारदर्शी, सरल और नागरिकों के लिए अधिक सुलभ बनाया गया है। डिजिटल माध्यमों के जरिए वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस, कर भुगतान और अन्य सेवाओं की प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और तेज हो गई है। प्रदेश में परिवहन विभाग के आंकड़े इस बदलाव की गवाही दे रहे हैं।

परिवहन विभाग की 49 सेवाएं फेसलेस और कॉन्टैक्टलेस मोड पर

योगी सरकार ने परिवहन विभाग में तकनीक आधारित सुधारों को प्राथमिकता देकर भ्रष्टाचार की संभावनाओं को कम किया है और सेवाओं की पारदर्शिता को बढ़ाया है। परिवहन विभाग ने डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देते हुए नागरिक सेवाओं को पूरी तरह सरल और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है।

सबसे ज्यादा डीएल जारी करने में टॉप पर लखनऊ आरटीओ

ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में अब तक 2.99 करोड़ से अधिक नए ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं। सबसे अधिक ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने वाले आरटीओ कार्यालयों में लखनऊ (13.66 लाख), गाजियाबाद (13.11 लाख), मेरठ (10.58 लाख), कानपुर नगर (10.51 लाख) और प्रयागराज (10.16 लाख) शामिल हैं। व्यावसायिक ड्राइविंग लाइसेंस (ट्रांसपोर्ट डीएल) जारी करने में भी प्रदेश ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। अब तक 29 लाख 5 हजार 937 ट्रांसपोर्ट ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं। इस श्रेणी में प्रयागराज, कानपुर नगर, गोरखपुर, जौनपुर और आजमगढ़ के कार्यालय अग्रणी रहे हैं।

आम उत्पादकों के लिए नए अवसरों का द्वार बनेगा उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026- उद्यान मंत्री

'स्वाद, संस्कृति और समृद्धि का संगम होगा यूपी आम महोत्सव'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार द्वारा प्रदेश के प्रसिद्ध आमों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने तथा आम उत्पादकों, निर्यातकों एवं उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026 का आगामी 3 जुलाई से 5 जुलाई तक (तीन दिवसीय) इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजन किया जा रहा है। साथ ही 4 जुलाई को जन भवन, लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीय वायर सेलर मीट का भी आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि आम महोत्सव प्रदेश की उद्यानिकी एवं कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान करेगा। प्रदेश में आम के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। योगी सरकार के सहयोग से यूपी बागबानी के क्षेत्र में अब्बल हो कर निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि महोत्सव में प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों के प्रगतिशील बागवान, निर्यातक, कृषि विशेषज्ञ एवं उद्यमी सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम में आम की सैकड़ों विशिष्ट एवं दुर्लभ प्रजातियों का प्रदर्शन किया जाएगा। दशहरी, लंगड़ा, चौसा, आम्रपाली, रटौल, लखनऊ सफेदा सहित अनेक प्रसिद्ध एवं रंगीन किस्में आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके अतिरिक्त आम आधारित प्रसंस्कृत उत्पादों, मूल्य संवर्धन तकनीकों तथा निर्यात संभावनाओं को भी प्रदर्शित किया जाएगा। महोत्सव के अन्तर्गत पांच क्लास में आम की विभिन्न प्रजातियां (कुल श्रेणी-07 एवं वर्ग 50), आम आधारित संरक्षित उत्पाद (कुल वर्ग 11), आम पकवान (वर्ग 01), सर्वश्रेष्ठ प्रदर्श एवं सर्वाधिक प्रदर्श प्रदर्शनकर्ता बागवान आदि में प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी।

यूपी के आम को मिलेगा वैश्विक मंच और किसानों को मिलेगा आधुनिक तकनीक एवं विपणन का लाभ

- उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026 के भव्य आयोजन से किसानों, बागवानों, निर्यातकों एवं उद्यमियों को मिलेगा एक साझा मंच
- आम की विभिन्न किस्मों का उत्पादन कर यूपी देश में अव्वल
- यूपी मैंगो फेस्टिवल का 3 जुलाई से 5 जुलाई तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में होगा आयोजन
- अंतर्राष्ट्रीय वायर सेलर मीट का 4 जुलाई को जन भवन में होगा आयोजन

3 साल की बच्ची पर गिरा 1 कुंतल का गेट

खेलते-खेलते घर के बाहर पहुंची थी

तमसा संकेत, एजेंसी

अन्वी
मृतक

मोहनलालगंज । लखनऊ में घर का लोहे का गेट गिरने से 3 साल की बच्ची दब गई। उसकी चीख सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। उपचार के लिए उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। घटना आज, 19 जून को पीजीआई थाना क्षेत्र के मोहिद्दीनपुर गांव में हुई। गांव निवासी सूरज कुमार के घर का गेट सुबह करीब साढ़े आठ बजे अचानक उखड़कर गिर गया। गेट के पास खेल रही उनकी 3 साल की बेटी अन्वी उसके नीचे दब गई। तड़प-तड़पकर मौत हो गई। मोहिद्दीनपुर में सूरज कुमार पत्नी सीमा, 2 बेटियों 4 साल की सृष्टि और 3 साल की अन्वी के साथ रहते हैं। परिजनों ने बताया कि सुबह करीब साढ़े आठ बजे सीमा बड़ी बेटी सृष्टि को पास में ट्यूशन छोड़ने गई थी। सूरज घर में खाना खा रहे थे।

छोटी बेटी अन्वी को वह प्यार-दुलार के साथ खाना खिला रहे थे। इस दौरान अन्वी खेलते-खेलते घर के मेन गेट के पास पहुंच गई। अचानक गेट उखड़कर अन्वी के ऊपर गिर गया। वह उसके नीचे दब गई। उसकी चीख सुनकर सूरज और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। गेट हटाकर उसे बाहर निकाला और अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सुविधा : मंत्री ए. के. शर्मा के सतत प्रयासों से पूर्वांचल को मिली नई रेल सेवाओं की सौगात

मऊ से दिल्ली और वाराणसी की कनेक्टिविटी हुई और मजबूत

- प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत संकल्प को गति दे रहा भारतीय रेल का पहिया
  - ए के शर्मा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने आज मऊ रेलवे स्टेशन से पूर्वांचल को मिली नई रेल सुविधाओं के विस्तार का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। उनके निरंतर प्रयासों और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने के परिणामस्वरूप क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।नई सुविधाओं के अंतर्गत दोहरीघाट–वाराणसी नई मेमू ट्रेन सेवा का संचालन प्रारंभ किया गया है। साथ ही मऊ–आनंद विहार (दिल्ली) ट्रेन तथा छपरा–आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस का संचालन अब मऊ के रास्ते किया जाएगा, जिससे पूर्वांचल के लाखों यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी और आवागमन अधिक सुगम होगा।

मंत्री ए के शर्मा ने इस अवसर पर केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से मऊ–आनंद बिहार ट्रेन को साप्ताहिक के स्थान पर दैनिक किए जाने की मांग भी रखी, ताकि यात्रियों को और अधिक सुविधा मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने रेल मंत्री जी से कहा कि उनकी पहल पर मऊ जनपद में रेलवे के अनेक विकास कार्य प्रगति पर हैं।

प्रत्येक इंजन विकसित भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा

इस अवसर पर ए. के. शर्मा ने केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने पूर्वांचल की जनता की आवश्यकताओं और मांगों को गंभीरता से लेते हुए उन्हें पूरा किया है। इसके लिए पूर्वांचल की जनता की ओर से वे उनका हृदय से धन्यवाद करते हैं।उन्होंने कहा कि भारतीय रेल आज देश की अर्थव्यवस्था की ग्रोथ इंजन बनकर उभरी है। रेल का प्रत्येक इंजन विकसित भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में भारतीय रेल का पहिया नई गति और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है।

जनता की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, श्री ए के शर्मा ने नई रेल सेवाओं के शुभारंभ पर रेल मंत्री का जताया आभार

लोकतंत्र सेनानी रामसुख पांडे का निधन दी गई अंतिम विदाई

अंतिम संस्कार श्रृंगी ऋषि आश्रम के निकट सेवा घाट पर किया गया

तमसा संकेत, संवाददाता

केदारनगर (अंबेडकरनगर)। इब्राहिमपुर क्षेत्र के अवसनपुर निवासी एवं लोकतंत्र सेनानी रामसुख पांडे (86) का मंगलवार शाम लखनऊ में निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित थे।

बुधवार को उनका अंतिम संस्कार श्रृंगी ऋषि आश्रम के निकट सेवा घाट पर पूरे सम्मान के साथ किया गया। उनके पुत्र आशुतोष पांडे ने मुखाग्नि दी। इस दौरान उनके नाती गौरव पाठक सहित परिजन, शुभचिंतक और क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश पुलिस के जवानों ने उन्हें अंतिम सलामी देकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

रामसुख पांडे की अंतिम इच्छा के अनुरूप शव यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रार्थना का आयोजन किया गया। उनके निधन पर क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। रामसुख पांडे की प्रारंभिक शिक्षा अकबरपुर में हुई थी। उच्च शिक्षा के लिए वह कोलकाता गए, जहां उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई की। छात्र जीवन के दौरान उनका जुड़ाव अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से हुआ। उन्होंने लंबे समय तक संघ के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया तथा चंपत राय, अशोक सिंघल और रज्जू भैया जैसे वरिष्ठ नेताओं के साथ कार्य किया। वर्ष 2017 में स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने संघ के सक्रिय सेवा कार्यों से दूरी बना ली थी।

सपा ने गोवा मुक्ति दिवस और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की, लोहिया की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है सपा

समाजवादियों की भूमिका गोवा मुक्ति संग्राम में रही ऐतिहासिक

राजेन्द्र चौधरी बोले- डॉ. राममनोहर लोहिया ने 18 जून 1946 को गोवा में आजादी की अलख जगाई, अखिलेश यादव उसी समाजवादी विचारधारा के रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं

श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने गोवा मुक्ति संग्राम में समाजवादी नेताओं के योगदान को याद करते हुए कहा है कि पुर्तगाली शासन के खिलाफ संघर्ष का पहला बिगुल 18 जून 1946 को समाजवादी चिंतक एवं स्वतंत्रता सेनानी Ram Manohar Lohia ने फूंका था। सपा ने गोवा मुक्ति दिवस और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, कहा कि समाजवादी आंदोलन का गोवा से पुराना और ऐतिहासिक रिश्ता रहा है।

सपा के मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री Rajendra Chaudhary ने बताया कि वर्ष 2023 में पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav के निर्देश पर उन्होंने 18 से 22 दिसंबर तक पांच दिवसीय गोवा यात्रा की थी। यह यात्रा गोवा स्थित गांधीवादी संस्था पीसफुल सोसायटी के संस्थापक कुमार कलानंद मणि के निमंत्रण पर हुई थी, जिसमें उन्होंने गोवा आंदोलन से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों पर जाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। सपा ने अपने बयान में कहा कि वर्ष 1498 में पुर्तगाली नाविक वास्को डि गामा के भारत आगमन के बाद गोवा पर पुर्तगाल का प्रभाव बढ़ा और वर्ष 1510 में पुर्तगाली सेनापति अल्बुकर्क ने गोवा पर कब्जा कर लिया। इसके बाद लगभग 450 वर्षों तक गोवा पुर्तगाली शासन के अधीन रहा।

पार्टी ने कहा कि अखिलेश यादव डॉ. लोहिया के बताए मार्ग पर चलते हुए अन्याय के प्रतिकार, लोकतंत्र की रक्षा और वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

अखिलेश यादव लोहिया के रास्ते पर चल रहे हैं : सपा

सपा के अनुसार, अखिलेश यादव गोवा मुक्ति संग्राम के इतिहास और डॉ. लोहिया के संघर्ष से भलीभांति परिचित हैं। उनका मानना है कि समाजवादियों ने अन्याय के खिलाफ लड़ने और लोकतंत्र की रक्षा का सबक डॉ. लोहिया से सीखा है, जिन्होंने 18 जून 1946 को गोवा में आजादी की अलख जगाई थी।

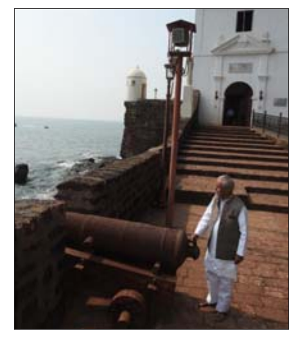

अगोड़ा जेल और लोहिया मैदान में किया नमन

राजेन्द्र चौधरी ने बताया कि गोवा आंदोलन के दौरान डॉ. राममनोहर लोहिया को जिस अगोड़ा सेंट्रल जेल की बैरक में रखा गया था, वहां आज उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित है। उन्होंने बताया कि 18 जून 1946 को दक्षिण गोवा के मडगांव सेंट्रल स्क्वायर से लोहिया को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। उन्होंने कहा कि जेल के हेरिटेज ब्लॉक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की सूची में लोहिया का नाम दर्ज है। इसी प्रकार मडगांव के लोहिया मैदान में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। यहीं से डॉ. लोहिया ने बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए गोवा में सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत की थी।

मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा से पहले बंद होंगे अवैध कट

डीएम ने ट्रैफिक, अतिक्रमण, ब्लैक स्पॉट पर दिए निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

मुजफ्फरनगर । मुजफ्फरनगर में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने सड़क सुरक्षा और आगामी कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की। शुक्रवार शाम 6 बजे जूम ऐप के माध्यम से आयोजित इस बैठक में ट्रैफिक व्यवस्था, अवैध ई-रिक्शा संचालन, अतिक्रमण, ब्लैक स्पॉट और कांवड़ मार्गों की तैयारियों पर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने शहर में अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शाओं के कारण लगने वाले जाम और भीड़ पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी और ट्रैफिक पुलिस को ई-रिक्शाओं के लिए रूट निर्धारित करने और अवैध संचालन पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी ई-रिक्शाओं की नियमित फिटनेस जांच और चालकों के लाइसेंस की पड़ताल सुनिश्चित करने को भी कहा गया। आगामी कांवड़ यात्रा को ध्यान में रखते हुए, पुलिस, नगर पालिका, लोक निर्माण विभाग और एनएचएआई के अधिकारियों को यात्रा मार्गों पर बने अवैध कट बंद कराने, प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने और सड़क किनारे की झाड़ियों को साफ कराने के निर्देश दिए गए। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर विशेष जोर देते हुए, जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी को स्कूलों में नियमित सड़क सुरक्षा सेमिनार और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिए गए।

फास्ट न्यूज

'कागज' पर चल रहा था स्कूल, स्वतः रद्द हुई मान्यता

वाराणसी। माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज की ओर से प्रदेश के 465 स्ववित्तपोषित स्कूलों की मान्यता स्वतः समाप्त कर दी गई है। इसमें वाराणसी मंडल के 53 विद्यालय शामिल हैं। वाराणसी के चार विद्यालय हैं जिसमें आरएनएस इंटर कॉलेज नरिया, लालता प्रसाद सिंह आदर्श इंटर कालेज तेंदुई, एसबीएचएस बच्छांव व सीएफआई माडल सेकेंडरी स्कूल दीनदासपुर स्कूल हैं।

लखनऊ में बहन को मैसेज भेजकर ड्राइवर ने की आत्महत्या

मोहनलालगंज। लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र स्थित कल्ली पश्चिम के विकास नगर में शुक्रवार को एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस के अनुसार, 28 वर्षीय शिव कुमार ड्राइवर थे। शुक्रवार दोपहर उसने अपने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या की। पुलिस ने परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नीचे उतारा। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शिव कुमार का अपनी पत्नी गायत्री से करीब एक वर्ष से विवाद चल रहा था।

प्रयागराज प्रदेश का सबसे गर्म शहर

प्रयागराज। प्रयागराज में गर्मी लगातार अपना रौद्र रूप दिखा रही है। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को प्रयागराज प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। शहर का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक रहा। शुक्रवार को सुबह से ही तेज धूप निकली है साथ में गर्म हवाओं का असर तेज है। सुबह से ही तेज और चिलचिलाती धूप निकलने के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया।

यूपी से शादी करने आ रहे बॉयफ्रेंड की मौत

अज्ञात वाहन ने कार को मारी टक्कर

तमसा संकेत, एजेंसी

देवास। मध्य प्रदेश के देवास जिले के टोंकखुर्द में सड़क हादसे में बॉयफ्रेंड की मौत हो गई, जबकि उसकी गर्लफ्रेंड और कार ड्राइवर घायल हो गए। हादसे के बाद प्रेमिका को घंटों तक प्रेमी की मौत की जानकारी नहीं दी गई। वह अस्पताल में रोती-बिलखती रही। बोलती रही- मुझे मेरे मोहित से मिला दो। जानकारी के अनुसार, हादसा शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे टोंकखुर्द में हुआ। अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मारी थी। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी मोहित वाजपेई के रूप में की गई है। कार में उनके साथ मौजूद युवती और चालक भी घायल हुए। हादसे के बाद तीनों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद मोहित वाजपेई को मृत घोषित कर दिया। वहीं, कार चालक इलाज के दौरान अस्पताल से बिना किसी को बताए चला गया। दूसरी ओर घायल युवती लगातार मोहित के बारे में पूछती रही। रोते हुए कहती रही कि एक बार उसे उसके मोहित से मिला दिया जाए। घायल युवती ने बताया- करीब एक साल पहले उसकी और मोहित की पहचान इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। बातचीत बढ़ने के साथ दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने शादी करने का फैसला किया।

मुख्यमंत्री का निर्देश: सांसद-विधायक मिलकर तय करें विकास परियोजनाओं की प्राथमिकता, शीघ्र बने कार्ययोजना

मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के सर्वाधिक 810 कार्यों को दी मंजूरी

- **मुख्यमंत्री योगी ने 4901.65 करोड़ के कार्य प्रस्तावों को दी मंजूरी, मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ संग बेहतर संपर्क के लिए 13 मार्गों का होगा विकास**
- **देवीपाटन और बस्ती मंडल के विधानसभा क्षेत्रों में लोक निर्माण विभाग की विकास परियोजनाओं के कार्यों की हुई समीक्षा**

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के 50-50 करोड़ के विकास कार्यों का देखा प्रेजेंटेशन

तमसा संकेत, संवाददाता

गोंडा । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महज तेरह दिनों बाद फिर गोंडा का दौरा किया। उन्होंने अपने दो घंटे के कार्यक्रम के दौरान 33 विधानसभा क्षेत्रों से जनप्रतिनिधियों द्वारा भेजे गए प्रस्तावों का प्रेजेंटेशन भी देखा। इसमें प्रमुख रूप से मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ धाम संग अन्य धार्मिक स्थलों तक कनेक्टिविटी को बेहतर करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने देवीपाटन मंडल के मां पाटेश्वरी देवी शक्तिपीठ, स्वामीनारायण मंदिर से बस्ती के मखौड़ा धाम व अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले प्रमुख 13 मार्गों के विकास को मंजूरी दी। कुल 4901.65 करोड़ रुपये की एक हजार से अधिक विकास परियोजनाओं के प्रस्तावों को स्वीकृति दी।

उन्होंने महाराजा सुहेलदेव सभागार में लोक निर्माण विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा की। साथ ही नई कार्य योजनाओं पर जनप्रतिनिधियों के साथ मंथन किया। इस दौरान देवीपाटन मंडल के गोंडा, बलरामपुर, बहराइच और श्रावस्ती की सड़क व संपर्क मार्ग परियोजनाओं की प्रगति परखी। इसके साथ बस्ती मंडल के बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीरनगर की विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने, जर्जर सड़कों के पुनर्निर्माण, संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण और पुल सेतु से जुड़े निर्माण कार्यों पर मंथन हुआ।

मुख्यमंत्री को देवीपाटन मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल व लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने सड़क, पुल, सेतु और अन्य आधारभूत विकास परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी।

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की विकास परियोजनाओं पर हुआ मंथन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की करीब 50-50 करोड़ की विकास परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण देखा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से विकास परियोजनाओं की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों की बेहतर कनेक्टिविटी और सुगम यातायात के लिए सड़क मार्गों के दुरुस्तीकरण पर केंद्रित प्रस्तावों को प्राथमिकता के साथ देखा। इसमें आधारभूत संरचना के कार्य भी शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने पिछड़े क्षेत्रों व आकांक्षात्मक ब्लॉक क्षेत्रों में जारी विकास परियोजनाओं की भी समीक्षा की।

भाई को पुलिस उठा लाई थी, छोड़ने की जिद पर अड़ा था, पेट्रोल भी लाया था

युवक ने थाने में खुद को लगाई आग

तमसा संकेत, एजेंसी

युवक के आग लगाने के बाद पुलिसकर्मी सकते में आ गए। एसपी ने घायल से अस्पताल में मुलाकात की।

संभल। संभल में गुरुवार शाम 6 बजे एक युवक ने धनारी थाने में अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। युवक की पहचान मोरध्वज के रूप में हुई। आग लगते ही पुलिसकर्मियों ने कंबल डालकर उसे बचाया और अस्पताल पहुंचाया। वह चेहरे से पैरों तक करीब 25 से 30 प्रतिशत तक झुलस गया है।

पुलिस ने एक विवाद में दो लोगों को हिरासत में लिया था। इसमें मोरध्वज का एक भाई था। वह उसे छोड़ने की मांग कर रहा था। बहस के बाद उसने यह कदम उठा लिया। घटना का वीडियो सामने आया है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया-युवक को आशंका थी कि उसके भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो जाएगा। इसी वजह से उसने खुद को आग लगा ली।

घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाता दिखाई दे रहा है। आग लगते ही थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल कंबल और गमछे डालकर आग बुझाई।

भाई को पुलिस ने हिरासत में लिया था

बुधवार को गुन्नौर तहसील के बगडेर गांव में बच्चों के मुंडन संस्कार कार्यक्रम के दौरान दो पक्षों में विवाद हो गया था। झगड़े में एक व्यक्ति घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजा और गांव के लखपत सिंह और भारत सिंह को हिरासत में ले लिया था।

गुरुवार शाम पुलिस दोनों के खिलाफ शांतिभंग की आशंका में मुकदमा लिख रही थी। इसी दौरान मोरध्वज थाने पहुंचा। उसने भाई को निर्दोष बताते हुए रिहा करने की मांग की। काफी देर तक पुलिस से बहस करने के बाद उसने अचानक अपने साथ लाया पेट्रोल शरीर पर उड़ेल लिया और आग लगा ली।

री-नीट यूजी 2026 : परीक्षा की तैयारियां पूरी 6 केंद्रों पर होगी परीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए), नई दिल्ली द्वारा आयोजित री-नीट (यूजी)-2026 परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष, नकलविहीन एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमरेश कुमार ने की।

बैठक में समस्त मजिस्ट्रेटों, रिजर्व मजिस्ट्रेटों, केंद्र व्यवस्थापकों, सहायक नोडल अधिकारियों, केंद्र प्रभारियों एवं जनपदीय नियंत्रण कक्ष के अधिकारियों के साथ परीक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि री-नीट (यूजी)-2026 परीक्षा 21 जून 2026 को जनपद के 6 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा का समय दोपहर 2 बजे से सायं 5:15 बजे तक निर्धारित है। जिले में कुल 3,380 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा की निगरानी के लिए 6 मजिस्ट्रेटों/डिप्टी कलेक्टरों की तैनाती की गई है।

उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कंट्रोल रूम, सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल एवं प्रवेश प्रक्रिया को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेटों को सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा से पूर्व सभी मजिस्ट्रेट अपने-अपने केंद्रों का निरीक्षण करें तथा परीक्षा अवधि के दौरान लगातार पर्यवेक्षण बनाए रखें। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी और पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार की भीड़ एकत्र न होने दी जाए। परीक्षा प्रारंभ और समाप्ति के समय विशेष सतर्कता बरती जाए।

पृष्ठ 01 का शेष...

'अपराधी कोई हो...

योगी ने जनसभा में कहा-सपा के दोहरे चरित्र को देखो, कहती है कि राम भक्तों का अपमान हुआ है। कारसेवकों और रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले लोग उपदेश देने चले हैं। हमने ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी जांच बैठाई। एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी। मैं सभी से कहूंगा कि कोई भी अनर्गल टिप्पणी न करें, जो रामभक्तों को आहत करे।

सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने रविवार 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई। अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामला देखना चाहिए। चंपत राय ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है।

विवाद बढ़ा तो भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने 9 जून को प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर CBI जांच की मांग की। अगले दिन यानी 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंदिर ट्रस्ट से मामले की रिपोर्ट मांग ली।

चढ़ावा चोरी मामले में अब तक 5 लोगों- लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर उर्फ टिन्नू के नाम सामने आए हैं। इन लोगों की निशानदेही पर अब तक 2 करोड़ रुपए की रिकवरी हुई है। ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं। मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर से 13 जून को सोना मिला। हालांकि, सोना कितना है, यह अभी कन्फर्म नहीं है।

अयोध्या के कामाख्या धाम से सीएम योगी गोंडा पहुंचे। यहां कमिश्नर कार्यालय के महाराजा सुहेलदेव सभागार में देवीपाटन और बस्ती मंडल के विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक करीब डेढ़ घंटे चली। इसमें जिले में सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचों को बेहतर बनाने की योजना पर चर्चा हुई।

सपा प्रमुख और पूर्व ...

चढ़ावा चोरी मामले में अब तक 5 लोगों- लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर उर्फ टिन्नू के नाम सामने आए हैं। इन लोगों की निशानदेही पर अब तक 2 करोड़ रुपए की रिकवरी हुई है। ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं। मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर से 13 जून को सोना मिला। हालांकि, सोना कितना है, यह अभी कन्फर्म नहीं है।

अमेरिका ईरान के...

हम 60 दिन की प्रक्रिया पूरी करेंगे और उसे एक डॉलर भी नहीं मिलेगा।"

ट्रम्प ने एक अन्य पोस्ट में दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत बुरी तरह कमजोर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि उसके पास अब एयरफोर्स, नौसेना, एयर डिफेंस सिस्टम और रडार जैसी क्षमताएं लगभग नहीं बची हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने के लिए अंतरिम समझौते पर दस्तखत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार रात को फ्रांस के वर्साय पैलेस में इससे जुड़े MoU पर साइन किए।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद दोनों देशों के बीच पहली औपचारिक वार्ता शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में होगी।

'उम्मीद है हमें ...

आश्चर्य यह है कि बागवत करने वालों ने भी इस पार्टी का नाम नहीं सुना था। उन्होंने कहा कि बागियों ने संविधान की 10वीं अनुसूची का उल्लंघन किया है और यदि वे जिस चुनाव चिह्न पर चुने गए हैं उसके दो साल बाद ही एक नई पार्टी में शामिल हो रहे हैं तो उनकी सदस्यता खत्म होनी चाहिए। दो-तिहाई सदस्यों के किसी दूसरी पार्टी में विलय का नियम पूरी पार्टी पर लागू होता है और न कि केवल संसदीय दल पर। बनर्जी ने इसी आधार पर सभी 20 बागियों के खिलाफ अलग-अलग याचिका स्पीकर को सौंपते हुए सदस्यता रद्द करने की मांग की है। वहीं, सूत्रों के अनुसार, स्पीकर ने कहा कि इसमें कई कानूनी पहलू जुड़े हैं और इसलिए सभी पक्षों को सुनने के बाद ही सदस्यों की सदन में स्थिति को लेकर फैसला लिया जाएगा।

27 करोड़ शेयर से ...

कंपनी 27 करोड़ नए शेयर जारी करेगी और IPO के जरिए करीब 37,700 करोड़ जुटाने की योजना है।

यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा IPO बन सकता है। हालांकि शेयरों की कीमत क्या रहेगी, इसकी जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है। इसके अलावा रिलायंस फाउंडेशन मुंबई में एक बड़ी अर्बन ग्रीन सेंक्चुरी का प्रोजेक्ट 'कोस्टल गार्डन' के नाम से लाएगा।

मुंबई में ही करीब 410 एकड़ में वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटी बनाने के प्रोजेक्ट को भी महाराष्ट्र सरकार की मंजूरी मिल गई है। वहीं, वनतारा यूनिवर्सिटी की शुरुआत भी की जा रही है, जहां वन्यजीव संरक्षण और जानवरों की चिकित्सा के लिए विशेषज्ञ स्तर की शिक्षा मिलेगी।

ईशा अंबानी ने कहा कि रिलायंस रिटेल का ग्राहक आधार लगातार बढ़ रहा है और रजिस्टर्ड ग्राहकों की संख्या 38.7 करोड़ तक पहुंच गई है। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने 1.93 अरब ट्रांजैक्शन किए, जो एक साल पहले के मुकाबले 39% ज्यादा हैं। स्मार्ट बाजार नेटवर्क ने 1,000 स्टोर्स का आंकड़ा पार कर लिया है।

कोलकाता में प्लेन पर ...

बंगाल के कोलकाता, सिलिगुड़ी और दार्जिलिंग जिलों में शुक्रवार को भारी बारिश हुई। दार्जिलिंग में बालासन नदी उफान पर आ गई। इससे नदी पर ह्यूम पाइप से बना पुल टूट कर बह गया। वहीं मुंबई और आसपास के इलाकों में भी बारिश हुई।

दार्जिलिंग जिले में भारी बारिश के कारण दुधिया बालासन नदी पर बना एक पुल शुक्रवार को टूट गया। लोहे का पुल गिरने के बाद अक्टूबर 2025 में अस्थायी ब्रिज बनाया गया था।

दार्जिलिंग जिले में भारी बारिश के कारण दुधिया बालासन नदी पर बना एक पुल शुक्रवार को टूट गया। लोहे का पुल गिरने के बाद अक्टूबर 2025 में अस्थायी ब्रिज बनाया गया था।

पश्चिम-दक्षिण महाराष्ट्र में मानसून पहुंच चुका है। हालांकि मानसून पूरे महाराष्ट्र को कवर नहीं कर पाया है। मुंबई में उमस भरी गर्मी के बीच शुक्रवार को कई इलाकों में बारिश हुई।

झारखंड में बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और दो साल का बच्चा शामिल है। सबसे ज्यादा तीन लोगों की मौत हजारीबाग में हुई। इसके अलावा पलामू, लोहरदगा, रामगढ़, पश्चिमी सिंहभूम और गोड्डा जिलों से भी मौतों की खबर है।

बिहार में मैंची नदी...

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले 48 से 72 घंटे में मानसून के सक्रिय होने की संभावना है।

'आस्था से खिलवाड़ ...

विपक्षी खेमे में इस मुद्दे को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं, जबकि सत्ता पक्ष की ओर से फिलहाल आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मामला सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर भी चर्चाओं का दौर तेज हो गया है और लोग जांच की निष्पक्षता को लेकर अपनी-अपनी राय रख रहे हैं। राम मंदिर चंदा विवाद अब केवल जांच का मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह आस्था, पारदर्शिता और राजनीतिक जवाबदेही की बहस में बदलता दिख रहा है। आने वाले दिनों में इस मामले पर सियासी बयान और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

'अयोध्या महापापियों ...

सपा प्रमुख ने कहा कि अयोध्या और आसपास के क्षेत्रों में लोगों के बीच भारी आक्रोश पनप रहा है। उनका आरोप है कि जिन लोगों की वजह से इस पवित्र तीर्थ की छवि धूमिल हुई, वे अब सामने नहीं आ रहे हैं, जिससे स्थिति और अधिक संदिग्ध एवं तनावपूर्ण हो गई है।

उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग मंदिर जाने से भी हिचकिचा रहे हैं। श्रद्धालुओं के बीच यह डर है कि कहीं जांच के नाम पर उन्हें ही परेशान न किया जाए।

गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठाए, कहा- उनका तरीका गलत

इंडिया को कोच नहीं धोनी जैसा मेंटर चाहिए : श्रीसंत

बयान

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय पेसर एस श्रीसंत ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि इंडिया को ट्रेडिशनल कोच नहीं, बल्कि एमएस धोनी जैसे मेंटर की जरूरत है। 43 साल के श्रीसंत ने कहा- 'कोच बदल दीजिए। भारत को कोच नहीं, मेंटर की जरूरत है।' उन्होंने लल्लनटॉप से कहा- 'खिलाड़ियों पर ज्यादा दबाव बनाने के बजाय मार्गदर्शन और भरोसा देने वाला नेतृत्व टीम के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है।' श्रीसंत ने भारतीय टेस्ट टीम के हालिया प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली सीरीज हार पर गंभीर की कोचिंग शैली पर आपत्ति जताई। भारतीय टीम पिछले साल अपने घर में साउथ अफ्रीका से 2-0 से हार गई थी। तब भी गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठे थे। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने भारत की ओर से 2 वर्ल्ड कप जीते हैं। वे 2011 में वनडे और 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 27 टेस्ट मैचों में 87 विकेट झटके हैं। उन्होंने 53 वनडे और टी-20 इंटरनेशनल मैच भी खेले हैं। IPL के 44 मैच में श्रीसंत के नाम 40 विकेट हैं।

मई 2013 में IPL के दौरान श्रीसंत पर स्पॉट फिक्सिंग के आरोप लगे थे। उन्हें दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद BCCI ने उन्हें लाइफ टाइम के लिए बैन कर दिया गया था। हालांकि, इन आरोपों के खिलाफ श्रीसंत ने लंबी लड़ाई और साल 2015 में विशेष अदालत ने उन्हें आरोपों से बरी कर दिया था। साल 2018 में केरल हाईकोर्ट ने उन पर लगे अजीवन प्रतिबंध को खत्म किया। लेकिन, 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने BCCI को उसकी सजा कम करने को कहा। बाद में बोर्ड ने उन पर लगे आजीवन प्रतिबंध को 7 साल तक कम कर दिया था, जो सितंबर 2020 में खत्म हो गया।

टीम के साथ बड़े भाई जैसा रिश्ता चाहिए: श्रीसंत

श्रीसंत ने कहा कि टीम के साथ बड़े भाई जैसा रिश्ता होना चाहिए। केवल जीत पर खुश होना और हार पर नाराज होना काफी नहीं है। खिलाड़ियों को सहयोग और विश्वास की जरूरत होती है। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी का उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय टीम की कई सफलताओं के पीछे उनकी सोच और नेतृत्व शैली रही है।

श्रीसंत बोले- वर्ल्ड कप की जीत में सिर्फ कोच का योगदान नहीं

श्रीसंत ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप जीत का पूरा श्रेय गौतम गंभीर को दिए जाने पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि खिलाड़ियों और कप्तान के योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, 'जब टीम ने वर्ल्ड कप जीता तो पूरा श्रेय गंभीर को दिया गया। लेकिन, सैमसन नहीं होते, सूर्यकुमार यादव कप्तानी नहीं करते और सही समय पर गेंदबाजी में बदलाव नहीं होते, तो क्या भारत जीत पाता?'

तिलक वर्मा और मोहम्मद सिराज पर लटकी तलवार!

नई दिल्ली, एजेंसी

तेलंगाना क्रिकेट एसोसिएशन (TCA) ने एक्टर विजय देवरकोंडा और वेंकटेश दग्गुबाती के साथ-साथ क्रिकेटर मोहम्मद सिराज, अंबाती रायडू और तिलक वर्मा को कानूनी नोटिस भेजे हैं। यह नोटिस प्रस्तावित TG20 लीग से उनके कथित जुड़े होने को लेकर भेजा गया है। एसोसिएशन का आरोप है कि यह टूर्नामेंट BCCI की मंजूरी के बिना आयोजित किया जा रहा है।

TCA के जनरल सेक्रेटरी गुरावा रेड्डी ने ANI से बातचीत में कहा कि एसोसिएशन ने उन मशहूर हस्तियों के इस लीग को प्रमोट करने पर आपत्ति जताई है, जिसे उन्होंने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) द्वारा आयोजित ₹गैर-कानूनी₹ और ₹बिना मंजूरी वाली₹ लीग बताया है।

रेड्डी ने कहा, आज तेलंगाना क्रिकेट एसोसिएशन ने विजय देवरकोंडा, वेंकटेश दग्गुबाती, इंटर-नेशनल क्रिकेटर सिराज, तिलक वर्मा और पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू को कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें उनसे हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन की प्रस्तावित विवादित और गैर-कानूनी TG20 लीग से उनके जुड़ाव के बारे में सवाल किया गया है। नोटिस के अनुसार, TCA का आरोप है कि हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) BCCI की मंजूरी के बिना कॉर्पोरेट कंपनियों के साथ कारोबार कर रहा है और ऐसी मंजूरी के बिना प्रस्तावित TG20 लीग को प्रमोट करना एक अपराध है। एसोसिएशन ने लीग के रेगुलेटरी स्टेटस और सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट के संभावित असर को लेकर चिंता जताई है।

मैच से एक दिन पहले हर्षित राणा भारतीय टीम में

अफगानिस्तान के खिलाफ आखिरी वनडे मैच खेल सकते हैं

मुंबई, एजेंसी

तेज गेंदबाज हर्षित राणा को अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए टीम इंडिया में शामिल किया गया है। BCCI ने शुक्रवार को बताया कि राणा ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिटेशन पूरा कर लिया है। वे चेन्नई में भारतीय टीम से जुड़ गए हैं।

चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में 20 जून को सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे मैच खेला जाएगा। हर्षित यह मैच खेल सकते हैं। फिलहाल, भारतीय टीम 3 मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। टीम ने पहले मैच में 7 विकेट से और दूसरे में 170 रन से जीत हासिल की थी। राणा पिछले कुछ समय से BCCI के डॉक्टरों और फिजियोथेरेपिस्ट की निगरानी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस पर काम कर रहे थे। उन्हें फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद टीम में शामिल किया। हर्षित के टीम से जुड़ने से भारत के पेस अटैक को मजबूती मिलेगी। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज इस सीरीज में नहीं खेल रहे हैं। अब तक तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के पास है। अब कप्तान शुभमन गिल के पास चेन्नई की परिस्थितियों के अनुसार तीन पेसर्स का विकल्प होगा।

हर्षित राणा टी-20 वर्ल्ड कप से पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ प्रैक्टिस मैच में चोटिल हो गए थे। चोट गंभीर होने के कारण उनकी सर्जरी करानी पड़ी। इसी वजह से वह टी-20 वर्ल्ड कप और IPL नहीं खेल सके।

इस धाकड़ ऑलराउंडर की डाइट और बैटिंग के हैं चर्चे, श्रीलंका में ट्राई सीरीज खेल रहे वैभव

वैभव सूर्यवंशी के बाद अब भाई आशीर्वाद मचाएगा गदर

नई दिल्ली। समस्तीपुर (बिहार) के ताजपुर में मोतीपुर गांव के सूर्यवंशी परिवार में पहले से ही वैभव सूर्यवंशी के रूप में क्रिकेट का एक उभरता हुआ सितारा मौजूद है। अब वैभव के 10 साल के भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी भी सुर्खियों में आ गए हैं। क्रिकेट एकेडमी ताजपुर के लिए अपने पहले ही मैच में आशीर्वाद ने 87 गेंदों पर 103 रन बनाए।

छह महीने पहले ही क्रिकेट खेलना शुरू करने वाले आशीर्वाद ने अपनी पारी में 20 चौके और एक छक्का लगाया। यह पारी भले ही लोकल क्रिकेट मैच की थी, लेकिन वैभव ने जब सोशल मीडिया पर अपने छोटे भाई के स्कोरकार्ड का स्क्रीनशॉट शेयर किया, तो यह खबर आग की तरह फैल गई। आशीर्वाद का क्रिकेट का सफर ठीक उसी जगह से शुरू हुआ है जहां वैभव के सपनों ने पहली बार आकार लिया था। परिवार के घर के ठीक पीछे प्रैक्टिस के लिए दो पिच हैं, एक सीमेंट वाली और दूसरी मिट्टी वाली। बचपन में वैभव ने इन्हीं पिचों पर घंटों अपनी स्किल्स को बेहतर बनाने में बिताए थे। आज आशीर्वाद भी उसी रास्ते पर चलते हुए उसी मैदान पर ट्रेनिंग करता है।

कोच ने कहा कि वैभव को बैट स्विंग गिफ्ट में मिली है। आशीर्वाद ने अपना रास्ता खुद चुना। हमने एक बार उनसे पूछा था कि वह क्या बनना चाहते हैं और उन्होंने कहा था कि एक ऑलराउंडर। वह हार्दिक पांड्या जैसा दिखता है।

बड़े भाई की राह पर आशीर्वाद

आशीर्वाद के कोच और ताजपुर क्रिकेट अकादमी चलाने वाले चंद्र दीप ने TOI को बताया, आशीर्वाद ने अभी छह महीने पहले ही क्रिकेट खेलना शुरू किया है। बल्ले को संभालना और पकड़ना जल्दी सीख गया। कोच का मानना है कि छोटा सूर्यवंशी भी अपने बड़े भाई की तरह ही राह पर चलने के संकेत दे रहा है।

कड़ी मेहनत से गुजर रहा

कोच चंद्र दीप के अनुसार, अलग-अलग तरह की पिचें बिल्कुल अलग-अलग चुनौतियां देती हैं और इन्होंने वैभव के खेल को निखारने में अहम भूमिका निभाई है। अब छोटा भाई भी उसी कड़ी मेहनत से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, सीमेंट वाली पिच पर गेंद की रफ्तार ज्यादा होती है। मिट्टी वाली पिच पर गेंद स्विंग, टर्न और स्पिन होती है, लेकिन वह रुकती भी बहुत है, जिससे बैटिंग करना काफी मुश्किल हो जाता है। वैभव ने बहुत कम उम्र से ही इन पिचों पर प्रैक्टिस की थी और अब आशीर्वाद भी ऐसा ही कर रहा है।

मनोरंजन

कॉम्प्रोमाइज के लिए ऑफर हुए थे 1 लाख

पीके एक्ट्रेस मानवी बोलीं- ये नॉन-नेपोकिड के साथ होता रहता है, इन एक्ट्रेसेस ने भी झेला कास्टिंग काउच

नई दिल्ली, एजेंसी

पीके, किल दिल और शुभ मंगल ज्यादा सावधान जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस मानवी गागरू ने कास्टिंग काउच पर बड़ा खुलाया किया है। उन्होंने कहा है कि करियर की शुरुआत में उन्हें कॉम्प्रोमाइज करने के लिए 1 लाख रुपए का ऑफर मिला था।

हाल ही में टू गर्ल्स विद टू कप्स के पॉडकास्ट में मानवी गागरू ने बताया है कि उन्हें करियर की शुरुआत में एक कॉर्डिनेटर की तरफ से मैसेज आया, जिसमें लिखा था, 'बजट 1 लाख और साथ में कॉम्प्रोमाइज।'एक्ट्रेस को लगा कि शायद बजट में कॉम्प्रोमाइज की बात हो रही होगी। आगे उन्होंने बताया, मैं उस समय इंडस्ट्री में नई थी। मैंने जवाब में लिखा कॉम्प्रोमाइज क्या। लेकिन फिर मैंने सवाल किया कि क्या वो इतनी बड़ी बात इतने आराम से लिख सकता है। इस इंसिडेंट के बाद एक्ट्रेस एक कास्टिंग डायरेक्टर के पास गईं, जिनके साथ वो काम कर रही थीं।

फरहाना भट्ट का कास्टिंग काउच से सामना

फार्महाउस पर रहने की शर्त थी, बिग बॉस में कपड़े न देने वाले डिजाइनर 2 लाख लेकर पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी

बचपन में रिश्तेदार ताने देते थे कि यह परिवार की इज्जत खराब कर देगी। पिकनिक पर ले जाने से पहले सिर पर दुपट्टा रखने की शर्त रखी जाती थी और उन्हें तिरस्कार झेलना पड़ता था। लेकिन फरहाना भट्ट ने हार मानने के बजाय खुद को साबित किया। आठवीं कक्षा से उन्होंने अपनी पढ़ाई का खर्च खुद उठाना शुरू कर दिया।

मॉडलिंग की, पत्रकारिता में हाथ आजमाया और फिर एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। करियर की शुरुआत में मुंबई में एक कथित कास्टिंग स्कैम का सामना किया, जहां कॉन्ट्रैक्ट में कलाकारों को डायरेक्टर के फार्महाउस पर रहने जैसी संदिग्ध शर्तें थीं। बिग बॉस में जाने से पहले जिन डिजाइनरों ने कपड़े देने से इनकार किया था, शो के बाद वही लोग लाखों रुपए के ऑफर लेकर पहुंचे।

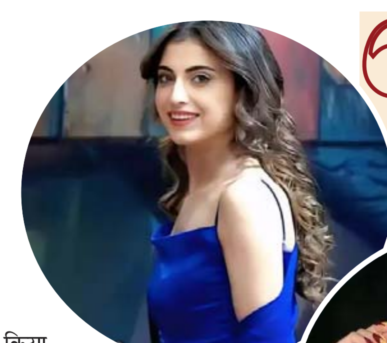

फरहाना भट्ट का जन्म 15 मार्च 1997 को कश्मीर में हुआ था। जब वह महज चार महीने की थीं, तभी उनके पिता उन्हें और उनकी मां को छोड़कर चले गए। इसके बाद उनकी परवरिश मां और नाना ने की। टेलीइंडिया से बातचीत में फरहाना ने बताया कि बचपन से ही उन्होंने संघर्ष देखा। आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों के बीच उनकी मां ने अकेले उन्हें बड़ा किया। इसी वजह से कम उम्र में उन्होंने जिम्मेदारियां समझीं और आगे चलकर अपनी पढ़ाई व जरूरतों का खर्च खुद उठाने लगीं।

आठवीं क्लास से खुद उठा रही थीं पढ़ाई का खर्च

एक्ट्रेस फरहाना भट्ट ने बताया कि उन्होंने आठवीं कक्षा से अपनी पढ़ाई का खर्च खुद उठाना शुरू कर दिया था। इसी वजह से उन्होंने कश्मीर की पहली ई-कॉमर्स कंपनी के लिए मॉडलिंग शुरू की। उस समय उन्हें करीब 1500 रुपए प्रतिदिन मिलते थे। उनकी मां को इसकी जानकारी थी, लेकिन परिवार के बाकी लोगों को नहीं। फरहाना का कहना है कि जिम्मेदारियां संभालने के बाद उन्होंने कभी किसी से पैसे नहीं मांगे।

टीवी पर विज्ञापन आते ही घर में मच गया बवाल

फरहाना ने बताया कि शुरुआत में वह चोरी-छिपे मॉडलिंग और विज्ञापनों में काम करती थीं। परिवार को इसकी जानकारी तब हुई जब उनका एक विज्ञापन टीवी पर प्रसारित हुआ। इसके बाद घर में हंगामा मच गया। रिश्तेदारों ने सवाल उठाया कि घर की लड़की टीवी पर कैसे दिखाई दे सकती है। कुछ लोगों का कहना था कि इससे परिवार की बदनामी होगी और दूसरी लड़कियों की शादी पर असर पड़ेगा।

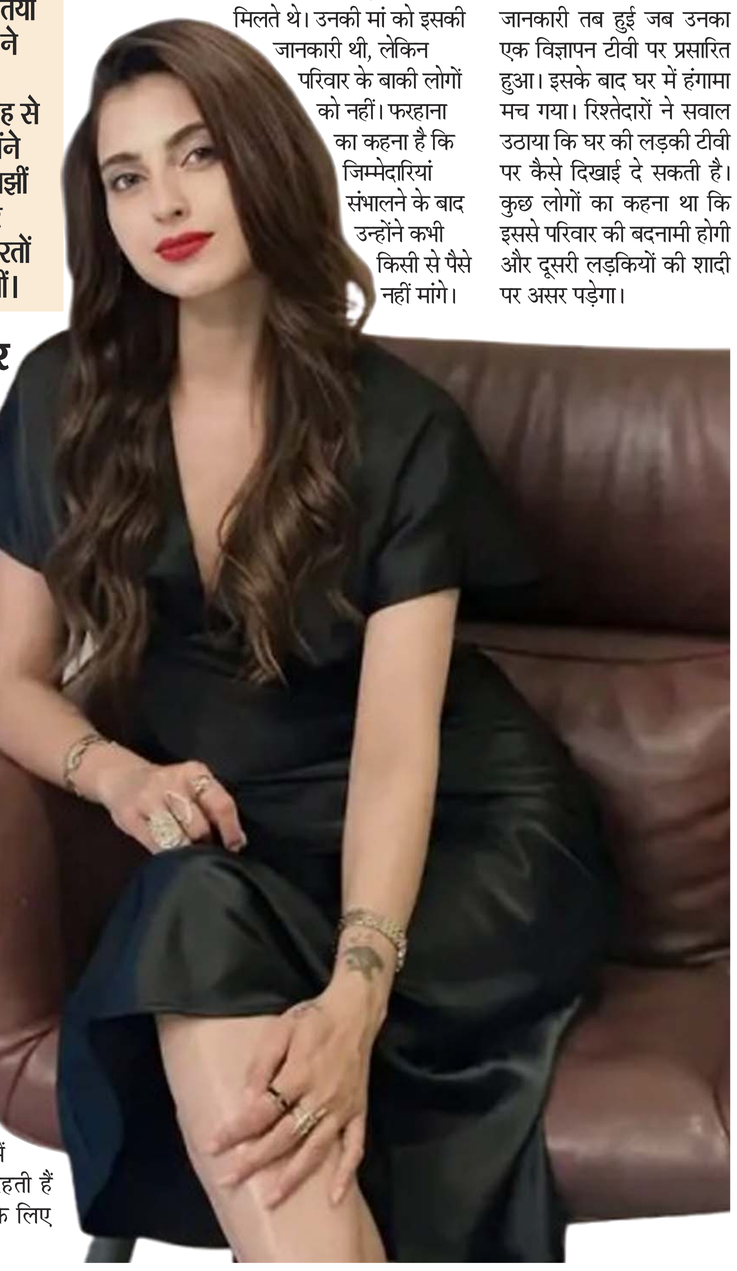

मां को याद कर हुआ ब्रेकडाउन, रोकनी पड़ी शूटिंग, प्रोड्यूसर असित मोदी ने दिया सहारा

तारक मेहता शो के बाघा सेट पर फूट-फूटकर रोए

नई दिल्ली, एजेंसी

टेलीविजन के पॉपुलर टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में बाघा का किरदार निभाने वाले तन्मय वेकारिया का बीच शूटिंग ब्रेकडाउन हो गया। वो सेट र फूट-फूटकर रोए, जिसके बाद शो की शूटिंग कुछ देर के लिए रोकनी पड़ी। दरअसल तन्मय वेकारिया सेट पर ऑनस्क्रीन गर्लफ्रेंड बनीं बावरी के साथ एक लव स्टोरी से जुड़ा सीन कर रहे थे। डायरेक्टर ने जैसे ही एक्शन बोला, तन्मय सीन करने की बजाए फूट-फूटकर रो पड़ा। ऐसे में वहां मौजूद लोगों ने शूटिंग रुकवा दी। अब टीवी शो के सेट से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें शो के प्रोड्यूसर तन्मय का हाथ थामे उन्हें सहारा दे रहे हैं। बता दें कि कुछ समय पहले अक्टूबर 2025 में ही तन्मय वेकारिया की मां का निधन हुआ है। वो बेटे को बावा के रोल में काफी पसंद करती थीं। 2020 में अंजलि भाभी का किरदार निभाने वालीं नेहा मेहता ने शो छोड़ दिया था। उनका कहना था कि सेट पर कई जगह अनुशासन और प्रोफेशनल माहौल की कमी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शो छोड़ने के बाद भी उन्हें उनका बकाया भुगतान नहीं मिला। इसके जवाब में प्रोडक्शन हाउस ने कहा कि नेहा ने जरूरी एग्जिट फॉर्मेलिटीज पूरी नहीं कीं, इसलिए फाइनल पेमेंट नहीं हो सका। 2022 में शैलेश लोढ़ा ने भी शो छोड़ दिया। बाद में उन्होंने निर्माताओं पर पूरा भुगतान न करने का आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई की।

दयाबेन ने छोड़ा शो, आज भी बिना लीड एक्ट्रेस के जारी शो

शो में दिशा वकानी जेठालाल की पत्नी दयाबेन के रोल में थीं। 2017 में उन्होंने शो से मेटरनिटी लीव ली थी, लेकिन मां बनने के बाद भी वो शो में नहीं लौटीं। तब से ही लगातार शो में नई दयाबेन की कास्टिंग की खबरें आती रहती हैं। ये इकलौता शो है जो पिछले 9 सालों से बिना लीड एक्ट्रेस के चल रहा है।

प्रेग्नेंट विठाबाई के किरदार में श्रद्धा कपूर की परफॉर्मेंस कर देगी रोंगटे खड़े

नई दिल्ली। लक्ष्मण उतेकर महाराष्ट्र के समृद्ध इतिहास का एक और अध्याय लेकर सिनेमाघरों में लौट रहे हैं। छत्रपति संभाजी महाराज पर आधारित 'छावा' के बाद, निर्देशक अब 'ईथा' में विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की कहानी पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। इसमें श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ रणदीप हुड्डा भी नजर आएंगे। इस बायोपिक का पहला टीजर आज सिनेमाघरों में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'कॉकटेल 2' के साथ खास तौर पर दिखाया गया। जैसे ही पहला शो शुरू हुआ, दर्शकों को लावणी डांसर के रूप में श्रद्धा की एक हैरान करने वाली और प्रभावशाली झलक देखने को मिली। 'ईथा' का टीजर विठाबाई नारायणगांवकर की जिंदगी के एक अहम हिस्से पर फोकस करता है। श्रद्धा पहले ही फ्रेम से उस किरदार में पूरी तरह ढल जाती हैं। टीजर में उन्हें गर्भवती दिखाया गया है। प्रेग्नेंसी के बावजूद, वह स्टेज पर परफॉर्म करती रहती हैं। हालांकि, एक शो के दौरान उन्हें एहसास होता है कि बच्चे के जन्म का समय आ गया है। परफॉर्मेंस बीच में न छोड़ते हुए, वह शांत रहती हैं और बच्चे को जन्म देने के लिए बैकस्टेज जाती हैं।

2 साल तक देश छोड़ने पर भी बैन, बिना हिजाब के 2024 में गाना गाया था

स्लीवलेस ड्रेस पहनी, ईरानी सिंगर को 74 कोड़ों की सजा

आरोप

तेहरान, एजेंसी

ईरान की मशहूर सिंगर परस्तू अहमदी और उनके साथ काम करने वाले 8 लोगों को ऑनलाइन कॉन्सर्ट के लिए 74-74 कोड़े मारने की सजा सुनाई गई है। उन पर 2 साल तक देश छोड़ने और 2 साल तक किसी भी आर्टिस्टिक एक्टिविटीज पर रोक लगाई गई है।

यह सजा ईरान के कोम प्रांत की अदालत ने यूट्यूब पर पब्लिश किए गए एक कॉन्सर्ट के मामले में सुनाई है। अदालत ने आर्टिस्ट पर अश्लील कंटेट पब्लिश करने और सार्वजनिक शालीनता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

यूट्यूब पर अपलोड होने के बाद परस्तू के गाने को 24 घंटे में 2 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले थे।

यह मामला दिसंबर 2024 का है। उस समय 29 साल की परस्तू अहमदी ने बिना हिजाब पहने यूट्यूब पर एक लाइव कॉन्सर्ट किया था। इस दौरान उन्होंने ईरान का लोकप्रिय देशभक्ति गीत 'अज खूने जवानाने वतन' (मातृभूमि के युवाओं के खून से) गाया था। इस दौरान वह बिना हिजाब और स्लीवलेस ड्रेस में थीं।

कॉन्सर्ट का वीडियो कुछ ही समय में वायरल हो गया। यूट्यूब पर इसे लाखों लोगों ने देखा। वीडियो जारी होने के बाद ईरानी अधिकारियों ने परस्तू अहमदी और कई संगीतकारों को कुछ समय के लिए हिरासत में लिया था। बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया, लेकिन वीडियो प्रकाशित करने के मामले में उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी रही। अमेरिका स्थित मानवाधिकार संगठन सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स इन ईरान की एडवोकेसी डायरेक्टर बहार घंदेहरी ने इस सजा की कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि सिर्फ गाना गाने और बिना हिजाब सार्वजनिक रूप से नजर आने पर 74 कोड़ों की सजा देना दिखाता है कि ईरान में मानवाधिकारों की स्थिति अब भी नहीं बदली है।

पब्लिक में अकेले गाना नहीं गा सकती ईरानी महिलाएं

ईरान में महिलाओं पर कई सामाजिक प्रतिबंध हैं। कानून के अनुसार वे सार्वजनिक जगह पर अकेले गाना नहीं गा सकतीं और बिना हिजाब लोगों के सामने नहीं आ सकतीं। गायिका परस्तू अहमदी ने बिना हिजाब और स्लीवलेस ड्रेस में परफॉर्म कर इन नियमों का खुलकर विरोध किया।

गाने में 4 पुरुषों के साथ स्लीवेस ड्रेस में दिखीं

परस्तू अहमदी ने 27 मिनट का एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह बिना हिजाब और स्लीव ड्रेस पहनकर चार पुरुष संगीतकारों के साथ गाना गाती नजर आ रही थीं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने इसे काल्पनिक कॉन्सर्ट बताया था।

परस्तू के इस प्रोग्राम का वीडियो यूट्यूब पर लाखों बार देखा गया। कई लोगों ने इसे महिलाओं की अभिव्यक्ति की आजादी का प्रतीक बताया, जबकि ईरानी अधिकारियों ने इसे कानून के खिलाफ माना।

ईरान में महिलाओं के लिए सार्वजनिक जगहों पर हिजाब पहनना अनिवार्य है। अधिकारियों ने बिना हिजाब पहनकर गाने को नियमों का उल्लंघन माना।

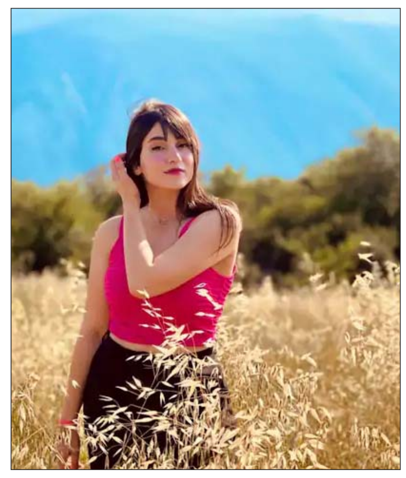

परस्तू कई तस्वीरों में स्लीवलैस ड्रेस और बिना हिजाब के नजर आ चुकी हैं।

न्यूयार्क के टाइम्स स्क्वायर पर फिर अंधाधुंध फायरिंग

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- एक व्यक्ति घायल, अस्पताल में भर्ती एक संदिग्ध गिरफ्तार।
- चार दिनों में दूसरी घटना, भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई।

अमेरिका के सबसे मशहूर पर्यटन स्थल 'टाइम्स स्क्वायर' से एक बार फिर गोलीबारी की घटना सामने आ रही है। यहां गुरुवार दोपहर को अचानक हुई गोलीबारी से हड़कंप मच गया, जिसमें एक व्यक्ति के घायल होने की खबर भी सामने आ रही है। गोलियों की आवाज सुनते ही वहां मौजूद पर्यटकों और स्थानीय लोगों में भगदड़ मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर छिपने लगे।

पुलिस के मुताबिक, मुस्तैद जवानों ने तुरंत पीछा करके एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि इस घटना में घायल एक व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया है। फिलहाल पुलिस ने इलाके को नियंत्रण में ले लिया है और पकड़े गए संदिग्ध से पूछताछ की जा रही है। इस मामले में पुलिस की ओर से और अधिक जानकारी आना अभी बाकी है। बता दें कि यह घटना गुरुवार दोपहर करीब 3:40 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुई। उस समय टाइम्स स्क्वायर पर भारी भीड़ थी, क्योंकि कुछ ही समय पहले निचले मैनहट्टन में एनबीए चैंपियन बनी 'न्यू यॉर्क निक्स' टीम के स्वागत में एक बड़ी परेड खत्म हुई थी। इस परेड की सुरक्षा के लिए शहर में करीब 10000 पुलिसकर्मी तैनात थे।

फास्ट न्यूज

कांगो में इबोला से अबतक 232 मौतें

किंशासा । डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (DRC) में इबोला वायरस का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने जानकारी दी है कि देश में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या अब 896 हो गई है। इस खतरनाक बीमारी ने अब तक 232 लोगों की जान ले ली है। स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को इटुरी और नॉर्थ किवू प्रांतों में इबोला के 21 नए मामले सामने आए, जिनमें छह लोगों की मौत हो गई।

स्विट्जरलैंड में होने वाली ईरान-यूएस वार्ता टली

बर्न । स्विट्जरलैंड में अमेरिका, ईरान, कतर और पाकिस्तान के बीच प्रस्तावित वार्ता फिलहाल स्थगित कर दी गई है। व्हाइट हाउस ने भी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस की यात्रा टालने की पुष्टि की।

स्विट्जरलैंड के विदेश मामलों के संघीय विभाग ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिका, ईरान, कतर और पाकिस्तान के बीच नियोजित वार्ता स्थगित कर दी गई है। स्विट्जरलैंड के विदेश मामलों के संघीय विभाग ने एक बयान में कहा, 'अमेरिका, ईरान, कतर और पाकिस्तान के बीच होने वाली वार्ता स्थगित कर दी गई है।

गारमेंट फैक्टरी में पानी पीने से 100+ मजदूर बीमार

पेरिस । बांग्लादेश के गाजीपुर जिले में एक गारमेंट फैक्टरी में काम करने वाले 100 से ज्यादा मजदूर अचानक बीमार पड़ गए। बताया जा रहा है कि फैक्टरी में पीने के लिए सप्लाई किए गए पानी के कारण मजदूरों की तबीयत खराब हुई। एक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने इस घटना की कड़ी निंदा की है।

सेंसेक्स 607 अंक गिरकर 76,802 पर हुआ बंद

निफ्टी भी 154 अंक गिरा, आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 19 जून को गिरावट रही। सेंसेक्स करीब 607 अंक गिरकर 76,802 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 154 अंकों की गिरावट रही, ये 24,013 के स्तर पर बंद हुआ।

ग्लोबल IT दिग्गज एक्सेंचर ने अपने रेवेन्यू ग्रोथ का अनुमान घटाकर कमजोर डिमांड की बात कही है। इससे भारतीय IT कंपनियों के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई और निफ्टी IT इंडेक्स 4% तक टूट गया। इंफोसिस 6%, टीसीएस 3%, एचसीएल टेक 2.5% और टेक महिंद्रा 2% तक लुढ़क गए। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने भी माना है कि भारतीय आईटी सेक्टर के लिए फिलहाल डिमांड का आउटलुक कमजोर है।

भारतीय बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) की ओर से लगातार हो रही बिकवाली ने दबाव को और बढ़ा दिया। बुधवार को मामूली खरीदारी करने के बाद, विदेशी निवेशकों ने गुरुवार को फिर से कैश मार्केट में 1,025 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं। FIIs के बाजार से पैसा निकालने के कारण घरेलू निवेशकों का सेंटिमेंट भी कमजोर हुआ।

शेयर बाजार में 18 जून को बढ़त रही। सेंसेक्स 254 अंक की तेजी के साथ 77,410 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 82 अंकों की तेजी रही, ये 24,168 पर बंद हंआ था।

चिड़ियाघर की मालकिन ने ऐसे बचाई मासूम की जान

यूके में तीन साल के बच्चे को मगरमच्छों के बाड़े में फेंका

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के कैंब्रिजशायर स्थित 'जॉन्सन्स ऑफ ओल्ड हर्स्ट' चिड़ियाघर से एक बेहद हैरान और परेशान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक अनजान शख्स ने एक 3 साल के मासूम बच्चे को मगरमच्छों के बाड़े में फेंक दिया। मगरमच्छों के हमले में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया है और अस्पताल में अपनी जिंदगी की जंग लड़ रहा है। कैंब्रिजशायर पुलिस की डिटेक्टिव इंस्पेक्टर वेरिटी मैककैन ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा लगता है कि गिरफ्तार किया गया शख्स और बच्चा एक-दूसरे को नहीं जानते थे। उन्होंने बताया कि यह एक बेहद दर्दनाक घटना है। हमारी

टीमें अस्पताल में बच्चे के परिवार की मदद कर रही हैं और घटना के वक्त चिड़ियाघर में मौजूद चश्मदीदों से पूछताछ की जा रही है। स्थानीय सांसद बेन ओबेसे-जेक्टी ने भी इस घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की अफवाह या कयास न लगाने की अपील की है और कहा कि पुलिस इसे एक बेहद गंभीर मामला मानकर जांच कर रही है। गौरतलब है कि हादसे के बाद कई घंटों तक पुलिस और इमरजेंसी सेवाएं चिड़ियाघर में मौजूद रहीं। चिड़ियाघर के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित बच्चे और उसके परिवार के साथ हैं।

चिड़ियाघर की मालकिन ने दिखाई बहादुरी

'द इंडिपेंडेंट' की रिपोर्ट के मुताबिक, जैसे ही बच्चे को मगरमच्छों के बाड़े में फेंका गया, चिड़ियाघर के मालिक की पत्नी ट्रेसी जॉनसन ने अपनी जान की परवाह न करते हुए तुरंत बाड़े के अंदर छलांग लगा दी। उन्होंने बेहद बहादुरी से मगरमच्छों के बीच से बच्चे को सही सलामत बाहर निकाला।

मामले में पुलिस ने बताया कि घायल बच्चे को तुरंत कैंब्रिज के 'एडेनब्रूक्स अस्पताल' ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने इस मामले में फुर्ती दिखाते हुए नॉरफॉक के रहने वाले एक 30 वर्षीय व्यक्ति को हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

जंग रुकी तो 2028 में राष्ट्रपति बनने के सबसे बड़े दावेदार, फेल हुई तो करियर तबाह

ईरान डील पर टिका अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस का भविष्य

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच बुधवार रात ऐतिहासिक और विवादित पीस डील हुई। इसके बाद से अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इसका सबसे बड़ा चेहरा बनकर उभरे हैं। BBC की रिपोर्ट के मुताबिक वेंस लगातार फ्रंट फुट पर आकर इस फैसले का बचाव कर रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग से लेकर द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू तक, वेंस इस डील को डिफेंड करने की पूरी कमान संभाले हुए हैं। जब इस समझौते को लेकर इजराइल और अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी के अंदर से ही तीखी आलोचना शुरू हुई, तो वेंस ने बेहद कड़े शब्दों में जवाब दिया। दरअसल, एक दिन पहले ट्रम्प ने कहा था कि अगर यह

समझौता विफल हो जाता है तो वह इसका दोष वेंस पर डाल सकते हैं। हाल के महीनों में वह कई बार ऐसा बयान दे चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अगर ईरान के साथ हुआ समझौता कामयाब होता है तो वे 2028 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के सबसे बड़े दावेदार हो सकते हैं। 16 जून को वेंस की किताब 'कम्यूनियनः फाइंडिंग माई वे बैक टु फेथ' रिलीज हुई है। राजनीतिक गलियारों और अमेरिकी मीडिया में इस किताब की टाइमिंग और इसके कंटेंट को सीधे तौर पर साल 2028 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में उनकी संभावित दावेदारी से जोड़कर देखा जा रहा है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि क्या राष्ट्रपति ट्रम्प ने उन्हें अमेरिका-ईरान समझौते के लिए 'बलि का बकरा' बना दिया है। इस पर वेंस ने कहा कि उन्हें लगता है कि ट्रम्प मजाक कर रहे थे।

ईरान के साथ बातचीत का जिम्मा वेंस के कंधे पर

व्हाइट हाउस के मुताबिक, जेडी वेंस राष्ट्रपति ट्रम्प की राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के सबसे भरोसेमंद सदस्य बनकर उभरे हैं। ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जैरेड कुशनर के साथ मिलकर वेंस ने इस डील की बैक-चैनल बातचीत की अगुआई की है। स्विट्जरलैंड में होने वाली आगामी 60 दिनों की औपचारिक तकनीकी वार्ताओं की देखरेख का जिम्मा भी वेंस के कंधों पर है। चूंकि ट्रम्प ने इस पूरी बातचीत की प्रक्रिया में वेंस को प्रमुख भूमिका दी है, इसलिए इस समझौते की सफलता या विफलता का सबसे बड़ा राजनीतिक असर भी उन्हीं पर पड़ सकता है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि यह शांति समझौता सफल रहता है और मिडिल ईस्ट में युद्ध रुक जाता है, तो साल 2028 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जेडी वेंस खुद को एक कुशल डिप्लोमैट और युद्ध खत्म कराने वाले 'ग्लोबल लीडर' के रूप में पेश कर सकेंगे।

राजस्थान में टेलीग्राम पर नीट का पेपर बेचने वाला गिरफ्तार

अमेरिकी नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहा था

नई दिल्ली, एजेंसी

टेलीग्राम पर रोक के बाद भी राजस्थान के भीलवाड़ा से NEET का फर्जी पेपर बेचने की कोशिश की गई है। इस मामले में पुलिस एक स्टूडेंट को हिरासत में लिया है। आरोपी टेलीग्राम का इस्तेमाल अमेरिका के वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (VPN) के जरिए कर रहा था। उसके टेलीग्राम चैनल का नाम पेपर माफिया है। उधर, टेलीग्राम पर NEET री-एग्जाम तक रोक जारी रहेगी। दिल्ली हाईकोर्ट ने टेलीग्राम की केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ लगाई याचिका खारिज कर दी। केंद्र ने 16 जून को टेलीग्राम पर 22 जून तक रोक लगाने का आदेश दिया था।

वहीं, NEET री-एग्जाम को ध्यान में रखते हुए वेस्टर्न रेलवे ने परीक्षा केंद्रों पर जाने वाले स्टूडेंट्स के लिए तीन स्पेशल ट्रेनें चलाने की

घोषणा की है। ये स्पेशल ट्रेनें गुजरात और महाराष्ट्र के मुख्य रूटों पर चलेंगी, जिनमें स्लीपर और जनरल कोच होंगे। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को टेलीग्राम की याचिका पर कहा, ' सरकार के पास आईटी एक्ट की धारा 69A के तहत बैन लगाने का अधिकार है।' जस्टिस तेजस कारिया ने कहा, 'इस मामले पर कोर्ट की रिव्यू कमेटी ने भी सरकार के फैसले की जांच की थी। सरकार ने पूरी समझदारी से काम लिया है, इसमें किसी तरह की जल्दबाजी या लापरवाही नहीं दिखती।' गुरुवार को मामले की सुनवाई पूरी हुई और कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

चेतावनी : इजरायल के लेबनान पर ताबड़तोड़ हमले जारी, वेंस का स्विट्जरलैंड दौरा रद

यूएस-ईरान शांति वार्ता पर फिर संकट

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच अभी दो दिन पहले ही जिस ऐतिहासिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे, वह शुरू होने से पहले ही पूरी तरह खतरे में पड़ता नजर आ रहा है। एक तरफ जहां इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में रातभर भीषण बमबारी की है, जिसमें कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई है। वहीं दूसरी तरफ, स्विट्जरलैंड में होने वाली अमेरिका-ईरान की बेहद महत्वपूर्ण शांति वार्ता को टाल दिया गया है।

बता दें कि इस 14-सूत्रीय शुरुआती समझौते को एक स्थायी शांति का रूप देने के लिए शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के बुर्गेनस्टॉक रिसॉर्ट में दोनों देशों के बीच तकनीकी बातचीत होनी थी। लेकिन यह बैठक रद्द हो गई है।

लेबनान में क्या हुआ और क्यों बढ़ा तनाव?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मौजूदगी में बुधवार को ही वर्साय के महल (फ्रांस) में अमेरिका और ईरान के बीच एक शुरुआती शांति समझौता हुआ था। इसका मकसद पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध को रोकना था। इस समझौते में साफ कहा गया था कि लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई तुरंत रोकी जाएगी।

लेबनान पर इजरायल का हमला

लेकिन इस समझौते के तुरंत बाद इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले शुरू कर दिए। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पीछे हटने से साफ इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि जब तक हिजबुल्लाह का खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता, इजरायली सेना लेबनान में ही रहेगी।

- इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में बमबारी की।
- अमेरिका-ईरान शांति वार्ता स्विट्जरलैंड में टली।
- अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने इजरायल को सख्त चेतावनी दी।

जेडी वेंस की इजरायल को दोटूक चेतावनी

समझौते के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजरायल को बहुत सख्त और दोटूक शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि इस समय पूरी दुनिया में केवल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही एकमात्र ऐसे राष्ट्राध्यक्ष हैं, जो इजरायल देश के प्रति हमदर्दी रखते हैं। वेंस का यह बयान साफ इशारा करता है कि अमेरिका अब इजरायल के आक्रामक रुख से खुश नहीं है और उस पर युद्ध रोकने का भारी दबाव है।

चांदी 9,209 गिरकर 2.31 लाख पर आई

इस महीने अब तक 32 हजार रुपए सस्ती हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज, 19 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी 9,209 रुपए गिरकर 2.31 लाख रुपए पर आ गई। इससे पहले इसकी कीमत 2.40 रुपए प्रति किलो थी।

वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3,152 रुपए गिरकर 1.45 लाख रुपए पर आ गया है। एक दिन पहले इसकी कीमत 1.48 रुपए थी। इस महीने 19 दिन में सोना 11 हजार रुपए और चांदी 32 हजार रुपए सस्ती हुई है।

यूएस-ईरान समझौताः अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम समझौता साइन हुआ है। इसकी वजह से पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा कम हो गया, जिससे निवेशकों ने सोने-चांदी जैसे 'सुरक्षित निवेश' से

अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया। यूएस फेडरल रिजर्व का रुखः फेडरल रिजर्व ने हाल ही में संकेत दिए हैं कि वह इस साल ब्याज दरों में कटौती करने के बजाय उन्हें बढ़ा सकता है। ब्याज दरें बढ़ने की उम्मीद से सोने जैसी बिना ब्याज वाली धातु की चमक कम हो जाती है। मजबूत अमेरिकी डॉलरः फेडरल रिजर्व के संकेतों के बाद वैश्विक बाजार में अमेरिकी डॉलर इंडेक्स मजबूत हुआ है। आमतौर पर जब डॉलर मजबूत होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें गिरती हैं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96